• जयपुर, रविवार 26 अप्रैल 26 • वर्ष 15 • अंक 182 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIN/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 शेरगढ विधायक बोले भ्रष्टाचार बर्दाश्त नही किया जायेगा, विधायक ने सेखाला ....

पेज @4 27 अप्रैल को राजस्थान के 7 भाजपा कार्यालयों का उद्घाटन करेंगे भाजपा...

पेज @8 जयपुर में भगवान परशुराम जयंती पर भव्य शोभायात्रा, उपमुख्यमंत्री दिया...

उत्तरी भारत में भीषण लू का प्रकोप, यूपी के 32 जिलों के लिए अलर्ट जारी

नई दिल्ली/एजेंसी।

दिल्ली और उत्तर भारत के बड़े हिस्से में भीषण गर्मी की लहर जारी है, जिससे लोग भीषण तापमान और शुष्क, झुलसा देने वाली हवाओं के कारण परेशान हैं। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, निकट भविष्य में राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है, शनिवार को भी भीषण गर्मी और असुविधा जारी रहने की आशंका है। इसी बीच, उत्तर प्रदेश के 32 जिलों में भीषण गर्मी की चेतावनी जारी की गई है। पिछले 24 घंटों में शहर के तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जबकि अधिकतम तापमान 42 से 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। दिल्ली के कई हिस्सों

में पारा मौसमी औसत से 1.6 से 3.0 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा, जिससे जारी लू का प्रभाव और भी बढ़ गया।

राजधानी के कुछ हिस्सों में शुक्रवार को इस मौसम की पहली लू चली, जबकि मौसम विज्ञान विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया था। हालांकि सफदरजंग मौसम स्टेशन ने आधिकारिक तौर पर लू दर्ज नहीं की, लेकिन कम से कम दो अन्य स्टेशनों ने लू दर्ज की।

सफदरजंग में अधिकतम तापमान 41.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.2 डिग्री अधिक और पिछले दिन की तुलना में मात्र 0.2 डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.8 डिग्री अधिक और गुरुवार के न्यूनतम तापमान से 0.9 डिग्री कम है।

दिल्ली से बिहार तक 44 डिग्री तक पहुंचा पारा, अगले सप्ताह मिल सकती है राहत

नई दिल्ली/एजेंसी।

देश के कई राज्यों में पारा 44 डिग्री तक पहुंचने से गर्मी भीषण होती जा रही है। शुक्रवार को देश में प्रयागराज में सबसे ज्यादा 45.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। सोमवार से कुछ राज्यों में मौसम पलटने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में लू चलने की संभावना जताई है। दूसरी तरफ, पूर्वोत्तर राज्यों में झमाझम बारिश-अंधड़ चलने का अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी के अनुसार, दिल्ली में आज कुछ इलाकों में लू चलने की आशंका है। दिन में 15-25 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और अधिकतम तापमान 42-44 डिग्री के आस-पास रहने का अनुमान है। स्काईमेट के अनुसार, चक्रवाती परिसंचरण बनने के कारण सोमवार से हल्की बारिश हो सकती है। इससे आने वाले दिनों में तापमान धीरे-धीरे कम होगा। इसी के साथ पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 26-30 अप्रैल के बीच हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं।

उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी के चलते कुछ शहरों में दोपहर 12-4 बजे तक मजदूरों के काम पर रोक लगा दी है। प्रदेश के 17 जिलों में वार्म नाइट और 60 जिलों में लू का रेड अलर्ट है। मध्य प्रदेश के 11 जिलों में लू का अलर्ट है, वहीं ओडिशा में सोमवार से सभी स्कूल बंद करने की घोषणा की गई है। राजस्थान, बिहार और छत्तीसगढ़ में अगले 2-3 दिनों तक गर्म हवाओं के थपेड़े लोगों को परेशान करेंगे।

नया चक्रवाती परिसंचरण बनने से उत्तर प्रदेश में 28-30 अप्रैल तक और राजस्थान में 27-29 अप्रैल तक बारिश होने की संभावना है। इसी के साथ छत्तीसगढ़ में 26-28 अप्रैल तक, विदर्भ में 28 अप्रैल को और मध्य प्रदेश में 27-28 अप्रैल को हल्की से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवा चलने का अनुमान है। इसके अलावा बिहार में 26-27 अप्रैल को तेज हवाओं के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है।

न्यूज अपडेट

तेलंगाना में 47 माओवादियों का आत्मसमर्पण, दक्षिण बस्तर नेटवर्क को बड़ा झटका

तेलंगाना/जगदलपुर/एजेंसी। क्सल मोर्चे पर सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। तेलंगाना में 47 माओवादियों ने सामूहिक रूप से पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है। इस घटनाक्रम को नक्सल संगठन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जिससे दक्षिण बस्तर डिवीजनल कमेटी (डीवीसी) की गतिविधियां लगभग खत्म होने की स्थिति में पहुंच गई हैं।

आत्मसमर्पण करने वालों में संगठन के दो बड़े नेता–दक्षिण बस्तर डीवीसी प्रभारी हेमला आयथु उर्फ विज्जा और 9वीं बटालियन के कमांडर पोडियम लाचू उर्फ मनोज शामिल हैं। इनके अलावा एक स्टेट कमेटी सदस्य, तीन डीवीसीएम/सीवाईपीसीएम स्तर के सदस्य, 24 एसीएम/पीपीसीएम कैडर और 19 अन्य सदस्य भी शामिल हैं।

सरेंडर के दौरान माओवादियों ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी सौंपे। पुलिस को एक एलएमजी, चार एके -47, तीन एसएलआर राइफल, दो इंसास राइफल, 12 सिंगल शॉट गन, दो पिस्टल/रिवॉल्वर और दो बीजीएल गन समेत कुल 32 हथियार मिले हैं। इसके साथ ही 515 जिंदा कारतूस और करीब 100 किलो कोर्डटेक्स वायर भी बरामद हुआ है, जिसका इस्तेमाल विस्फोटकों में किया जाता है।

सरकार की पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। जानकारी के अनुसार इस सरेंडर के बाद करीब 1.50 करोड़ रुपये की राशि वितरित की जाएगी, वहीं छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों को तत्काल 25-25 हजार रुपये की अंतरिम सहायता भी दी गई है।

नीति आयोग देश की नीति-निर्माण व्यवस्था का एक अहम स्तंभ बनकर उभराः पीएम मोदी

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि नीति आयोग देश की नीति-निर्माण व्यवस्था का एक अहम स्तंभ बनकर उभरा है। यह सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने, सुधारों को आगे बढ़ाने और 'ईज ऑफ लिविंग यानी जीवन की सुगमता' को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. अशोक कुमार लाहिड़ी को उपाध्यक्ष बनने की बधाई देते हुए और अन्य पूर्णकालिक सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि यह संस्था अलग-अलग क्षेत्रों में नवाचार और लंबे समय की रणनीति बनाने के लिए एक गतिशील मंच के रूप में काम कर रही है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, ₹सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है। अशोक कुमार लाहिड़ी को उपाध्यक्ष बनने पर मेरी शुभकामनाएं। साथ ही राजीव गौबा, प्रो.

के. वी. राजू, प्रो. गोबर्धन दास, प्रो. अभय करंदीकर और डॉ. एम. श्रीनिवास को भी पूर्णकालिक सदस्य बनने पर बधाई।

उन्होंने सभी को उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे प्रभावी और परिणाम देने वाला कार्यकाल पूरा करें।

प्रधानमंत्री मोदी ने लाहिड़ी से मुलाकात भी की और उन्हें उपाध्यक्ष बनने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि अर्थशास्त्र और सार्वजनिक नीति में लाहिड़ी का अनुभव भारत में सुधारों को और मजबूत करेगा और 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में मदद करेगा।

प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया कि उनके प्रयास देश की नीति-निर्माण प्रक्रिया को और अधिक गतिशील बनाएंगे।

अशोक कुमार लाहिड़ी, जो पश्चिम बंगाल विधानसभा में बालुरघाट का प्रतिनिधित्व करते हैं, अर्थशास्त्र के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखते हैं। वे भारत सरकार के 12वें मुख्य आर्थिक सलाहकार रह चुके हैं और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, एशियाई विकास बैंक, बंधन बैंक और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी जैसे संस्थानों में काम कर चुके हैं। इसके अलावा, उन्हें विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ काम करने का भी अनुभव है।

कोलकाता के प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र लाहिड़ी को उनके शैक्षणिक और नीति संबंधी योगदान के लिए काफी सम्मान दिया जाता है।

ममता दीदी की चिंता, हिंदू अधिक हुए तो सड़कों पर कैसे होगी इफ्तारीः सीएम योगी

नदिया/एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल के दौरे में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने दो-टूक कहा कि ममता दीदी ने इसीलिए सीएए का विरोध किया था, क्योंकि उन्हें चिंता है कि हिंदू ज्यादा हो गए तो सड×कों पर इफ्तारी कैसे होगी? बंगाल में अराजकता के लिए टीएमसी को जिम्मेदार ठहराते हुए सीएम ने कहा कि यह पार्टी लोकतंत्र

में विश्वास नहीं करती। पहले चरण के मतदान में इन लोगों ने भाजपा नेताओं व प्रत्याशियों पर हमला किया, सबने इनकी गुंडागर्दी देखी। लेकिन, 4 मई को जब परिणाम आएगा तो टीएमसी के गुंडों को छिपने की जगह नहीं मिलेगी। बंगाल अब अराजकता स्वीकार नहीं करेगा। कांग्रेस, कम्युनिस्टों व टीएमसी ने बंगाल के माथे पर लूटपाट का जो कलंक लगाया है, अब उससे मुक्त होने का समय है। बंगाल के लोगों ने डबल इंजन सरकार लाने का फैसला किया है, जो डबल स्पीड से काम करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को नबद्वीप विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार श्रुति शेखर गोस्वामी के पक्ष में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नबद्वीप की आध्यात्मिक धरा और चैतन्य महाप्रभु को प्रणाम किया। यहां भीषण गर्मी में भी सीएम योगी के प्रति बंगालवासियों का लगाव स्पष्ट दिखाई दिया। जनसभा में हजारों की भीड़ लगातार 'योगी-योगी' का नारा लगाती रही।

सीएम ने इस स्नेह के लिए मतदाताओं का आभार भी जताया। सीएम योगी ने पहले चरण में 152 सीटों पर रिकॉर्ड मतदान के लिए मतदाताओं का अभिनंदन किया।

मणिपुर में मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च के दौरान तनाव

5 जिलों में इंटरनेट बंद

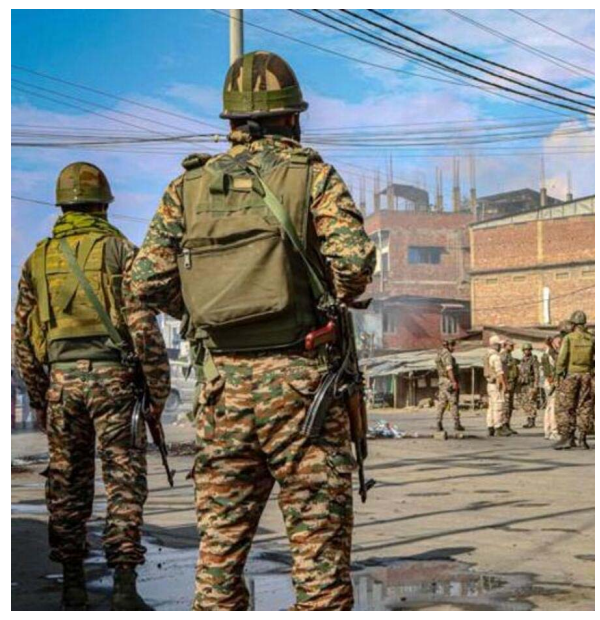

इंफाल/एजेंसी।

मणिपुर में कुछ दिनों की शांति के बाद फिर हिंसा भड×क उठी है। बीते दिन उखरुल जिले में 2 अलग-अलग घटनाओं में 3 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद आज 5 जिलों में 3 दिनों के लिए इंटरनेट पर पाबंदी लगाई गई है। इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों में 25 अप्रैल को दोपहर 2:00 बजे से 3 दिनों के लिए इंटरनेट बंद किया गया है।

आज इंफाल में कोऑर्डिनेटिंग कमिटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी ने एक विशाल रैली निकाली थी, जिसमें प्रदर्शकारी मुख्यमंत्री युमनम खेमचंद सिंह के आवास की ओर मार्च कर ज्ञापन सौंपने जा रहे थे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प शुरू हो गई। सुरक्षाबलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है।

उखरुल जिले के मुल्लम गांव के पास सुरक्षाबलों ने 2 शव बरामद किए थे। दोनों के शरीर पर गोली के निशान थे। वहीं, सिनाकेइथेई गांव में 29 साल के एच जमांग नाम के युवक की हमलावरों ने घात लगाकर हत्या कर दी थी। कुकी संगठनों ने आरोप लगाया कि नगाओं ने सुबह करीब 5:30 बजे उनके गांवों पर हमला किया था। इस दौरान कुछ मारे गए और कई लोग घायल हुए थे।

विजयोत्सव में पीएम मोदी को सीताभोग खिलाएंगेः अमित शाह

जमालपुर/कोलकाता।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज दूसरे चरण के मतदान से पहले जमालपुर में एक रैली के दौरान सत्ताधारी दल पर तीखा राजनीतिक हमला बोला और उन पर जमकर कटाक्ष किए। अमित शाह ने कहा कि, पहले चरण में, ममता दीदी का एक भी गुंडा बाहर नहीं निकला, और आज भी मैं ममता के गुंडों को चेतावनी दे रहा हूं कि 29 तारीख को वे भी अपने घरों से बाहर न निकलें... अगर वे बाहर निकले, तो 4 तारीख को हम उन्हें उल्टा लटकाकर सीधा कर देंगे। समर्थकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 5 तारीख को भाजपा की सरकार बनाइए और 6 तारीख को हम पूरे सिंडिकेट सिस्टम को बंगाल की खाड़ी में फेंक देंगे। उन्होंने व्यापक जबरन वसूली का आरोप लगाते हुए कहा, बताइए, क्या जमालपुर में कोई काम हुआ है? क्या रेलवे क्रॉसिंग पर एक भी अंडरपास बना है? गुंडे टोल वसूल रहे हैं। ईंटों, रेत और सीमेंट पर टोल लिया जा रहा है। ये टोल टैक्स नहीं, ये तो भतीजा कर है। अमित शाह ने बर्द्धमान की प्रसिद्ध मिठाई का जिक्र करते हुए जनता को भाजपा से जोड़ा. उन्होंने कहा कि पहले चरण के रुझान बता रहे हैं कि भाजपा प्रचंड बहुमत की ओर है। दूसरे चरण में आपलोगों को कमल खिलाना है, ताकि 4

मई को बर्द्धमान के 'सीताभोग' से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुंह मीठा कराया जा सके। अपने संबोधन को जारी रखते हुए शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कुछ खास समुदायों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, दीदी मतुआ समुदाय को डरा रही हैं, कह रही हैं कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो आपके वोट छीन लिए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, लेकिन दीदी, यह मतुआ समुदाय हमारी जीवनरेखा है। कोई इन्हें छू भी नहीं पाएगा। मतुआ और नामासुद्र समुदायों के लोगों को डरने की कोई जरूरत नहीं है। दीदी सीएए को लागू नहीं होने दे रही हैं। भाजपा की सरकार बनाइए, और 5 तारीख के बाद भाजपा मतुआ समुदाय के सभी भाइयों और बहनों को नागरिकता देगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 'घास फूल' की विदाई का वक्त आ गया है। भाजपा सरकार बनते ही भ्रष्टाचारियों और लुटेरों को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया जायेगा। शाह ने चेतावनी दी कि अगर किसी गुंडे ने मां-बहनों की तरफ आंख उठाकर भी देखा, तो वह सीधे जेल की सलाखों के पीछे होगा. देश के 20 राज्यों में भाजपा सरकार ने यह करके दिखाया है। शाह ने कहा कि, पूरा बंगाल महिलाओं, किसानों, गरीबों और युवाओं के विरोधी टीएमसी के खिलाफ एकजुट हो गया है। इस धरती के हर कोने से बदलाव की स्पष्ट आवाज़ गूंज रही है। जमालपुर विधानसभा क्षेत्र के निवासियों ने भी भाजपा को सत्ता में लाने का संकल्प लिया है।

पूरा बंगाल महिलाओं, किसानों, गरीबों और युवाओं के विरोधी टीएमसी के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा हो गया है। राज्य के हर कोने-कोने से बदलाव की स्पष्ट पुकार सुनाई दे रही है। जमालपुर विधानसभा क्षेत्र के लोगों ने भी भाजपा को सत्ता में लाने का मन बना लिया है।

मणिपुर के उखरुल में गोलीबारी, 3 की मौत, 5 घायल, कई घर जलाए गए

नई दिल्ली/एजेंसी। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार सुबह गोलीबारी की दो अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई। कुकी और नागा जनजातीय समुदायों के सशस्त्र समूहों के बीच झड़प में कई घरों को भी आग के हवाले कर दिया गया और महिलाओं सहित कम से कम पांच अन्य कुकी घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, पहली घटना जिले के मुल्लम गांव के पास हुई, जहां सुरक्षाबलों ने पूर्वाह्न करीब 11.25 बजे दो शव बरामद किए।

मृतकों की पहचान एल.सितल्हौ और पी.हाओलाई के रूप में हुई है। दोनों के शरीर पर गोलियों के निशान पाए गए और वे छलावरण (कैमोफ्लाज) वर्दी में थे। इससे पहले, सुबह करीब 5.30 बजे तांगखुल नगा बहुल क्षेत्र के मुल्लम गांव में सशस्त्र उग्रवादी समूहों के बीच भारी गोलीबारी हुई थी। इस दौरान गांव के बाहरी हिस्से में स्थित कुछ घरों में भी आग लगा दी गई। कुकी ऑर्गेनाइजेशन फॉर 'मन राइट्स ट्रस्ट ने मुल्लम और सोंगफल गांवों में दो ग्राम स्वयंसेवकों की हत्या और घरों को जलाए जाने की घटना की निंदा की है। संगठन ने इस मामले में तुरंत प्राथमिकी दर्ज करने और समयबद्ध जांच की मांग की है

सुविचार

जीत की खातिर बस जुनून चाहिए, जिसमें उबाल हो ऐसा खून चाहिए, यह आसमान भी आएगा ज़मीन पर, बस इरादों में जीत की गूँज चाहिए।

भ्रमित और कुंठित ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भारत के बारे में जो टिप्पणी की, वह अत्यंत निंदनीय है। उनका एक-एक शब्द यह गवाही दे रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। अगर उन्हें समय रहते मर्यादा में नहीं रखा गया तो वे दुनिया को किसी बड़ी मुसीबत के मुंह में धकेल सकते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि ईरान पर हमला करने के बाद ट्रंप को कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है। अगर वे पीछे हटेंगे तो इसे उनकी करारी हार माना जाएगा। अगर वे आगे बढ़ेंगे तो उन पर ईरानी जनता की हत्या के गंभीर आरोप लगेंगे। ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार के लिए लालायित हैं। उन्होंने दर्जनों मनगढ़ंत दावे कर अपनी दावेदारी मजबूत करने की कोशिश की, लेकिन दाल नहीं गली। ईरान पर बड़ा हमला करने के बाद उनका दावा भी खटाई में पड़ गया है। उनके शब्दों से गहरा गुस्सा झलक रहा है। वे कुंठित नजर आ रहे हैं। उन्होंने सोचा होगा कि ईरान दो-चार दिनों में ही घुटनों पर आ जाएगा, लेकिन उसने ऐसा करारा जवाब दिया कि अमेरिकी राष्ट्रपति की हालत सांप-छछूंदर जैसी हो गई है। अब वे जन्मजात नागरिकता का मुद्दा उठाकर भारत के बारे में अनुचित टिप्पणी कर रहे हैं। अगर ट्रंप को अमेरिका स्वर्ग और अन्य देश नरक लगते हैं तो अमेरिकी राष्ट्रपति वहां क्यों जाते हैं? क्यों उन देशों से संबंध रखते हैं? अपने देश तक सीमित रहें और 'स्वर्गवासी' कहलाएं।

अगर अमेरिका इतना महान देश है तो डोनाल्ड ट्रंप अब तक रूस-यूक्रेन युद्ध क्यों नहीं रुकवा पाए? अमेरिका की इतनी ज्यादा धाक है तो वह उत्तर कोरिया के किम जोंग उन के आगे क्यों फेल हो गई?

ट्रंप ज्यादातर समस्याओं का एक ही समाधान जानते हैं। वह है- टैरिफ! उन्हें ऐसा लगता है कि टैरिफ वह चाबुक है, जिसे फटकारने भर की देर है। उसके बाद दुनिया सीधे रास्ते पर आ जाएगी।

अगर अमेरिका इतना महान देश है तो डोनाल्ड ट्रंप अब तक रूस-यूक्रेन युद्ध क्यों नहीं रुकवा पाए? अमेरिका की इतनी ज्यादा धाक है तो वह उत्तर कोरिया के किम जोंग उन के आगे क्यों फेल हो गई? अगर अमेरिकी राष्ट्रपति खुद को सर्वशक्तिमान समझते हैं तो ईरानी नेतृत्व को क्यों नहीं झुका पाए? ट्रंप की बेतुकी बयानबाजी सुनकर लगता है कि 'थोथा चना, बाजे घना' वाली कहावत यूं ही नहीं बनाई गई है। ट्रंप की हालत उस ईर्ष्यालु छात्र जैसी है, जो पढ़ना नहीं चाहता, लेकिन कक्षा में प्रथम आना चाहता है और पुरस्कार पर अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझता है। ट्रंप पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कट्टर आलोचक हैं, जिन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। वे ओबामा से पीछे नहीं रहना चाहते। उनका सपना है कि दुनिया उन्हें 'शांति पुरुष' के रूप में याद करे और ओबामा से ज्यादा योग्य समझे। जब कभी उन्हें महसूस होता है कि 'शांति पुरुष' कहलाने की संभावनाएं धूमिल होती जा रही हैं तो भड़क जाते हैं और उल्टे-सीधे बयान देने लगते हैं। ऐसे व्यक्ति की मानसिक स्थिति क्या होगी, जो एक दिन किसी देश को महान बताकर उसके प्रधानमंत्री को अपना सबसे अच्छा मित्र बताए और अगले दिन उस देश को नरक घोषित कर दे? ट्रंप के इस बयान को बहुत गंभीरता से लेने की जरूरत है। लोगों को अमेरिका जाने का मोह छोड़कर अपने देशों को महान बनाना चाहिए। शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार समेत सभी सुविधाएं अपने देशों में भी पैदा की जा सकती हैं। इसके लिए सरकारें इच्छाशक्ति दिखाएं। विदेश जाकर अपमान झेलने से कई गुना बेहतर है अपने देश की रोटी; भले ही रूखी-सूखी हो, लेकिन अपनी मिट्टी और अपने पसीने की हो।

ट्वीटर टॉक

'नेशनल पंचायती राज डे' पर राज्य के सभी निवासियों को दिल से बधाई और शुभकामनाएं। हमारी कोशिश गांवों को मज़बूत बनाना और उन्हें तरक्की के रास्ते से जोड़ना है, और गांव की तरक्की के ज़रिए देश की तरक्की के सपने को पूरा करना है।

-दिया कुमारी

कांग्रेस और विपक्ष ने हमेशा महिला शक्ति को नज़रअंदाज़ किया है, जबकि हमारी सरकार 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के ज़रिए माताओं और बहनों के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। जब महिलाएं लीड करती हैं।

-भजनलाल शर्मा

मैं यूथ कांग्रेस के बब्बर शेर साथियों से मिला, जिन्हें उनके शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए गिरफ्तार किया गया था। शांतिपूर्ण विरोध हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। और यह तब और भी ज़रूरी हो जाता हैजब देश के पीएम से समझौता किया जाता है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

सहजता की जीत

एक बार चीन के राजा ने महान दार्शनिक लाओत्से की बुद्धि और ज्ञान से प्रभावित होकर उन्हें अपने राज्य में उच्च पद देने का निश्चय किया। राजा ने दूतों को भेजा। दूत जब पहुंचे, तो उन्होंने देखालाओत्से नदी के किनारे खड़े शांत भाव से बहते जल को निहार रहे हैं। दूतों ने संदेश सुनाया। लाओत्से मुस्कुराए। उन्होंने नदी की ओर इशारा करते हुए पूछा, क्या तुम देख सकते हो, यह पानी कैसे बहता है? दूतों ने कहा, हां, यह अपनी दिशा में बह रहा है। लाओत्से बोले, 'यह जल कभी किसी से प्रतिस्पर्धा नहीं करता, फिर भी सबसे आगे बढ़ता है। यह किसी पहचान या पुरस्कार की इच्छा नहीं रखता, फिर भी सबका जीवन पोषित करता है। इसकी ताकत इसके सहज प्रवाह में है।' इतना कहकर उन्होंने एक सूखा पत्ता उठाया और नदी में डाल दिया। पत्ता बिना किसी संघर्ष के धारा के साथ बहने लगा। लाओत्से ने समझाया, 'जो व्यक्ति जीवन के प्रवाह के साथ चलना सीख जाता है, वह सबसे अधिक दूर तक पहुंचता है। जो हर चीज़ को पकड़ने की कोशिश करता है, वही बंध जाता है; और जो छोड़ना सीख लेता है, वही सच में स्वतंत्र होता है।'

सामयिक

पश्चिमी बंगाल की बंपर वोटिंग रचेगी नया खेला?

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल : 9219179431

दरअसल पं बंगाल का चुनाव ममता बनर्जी की तृणमूल और भाजपा के बीच सत्ता पाने का अखाड़ा तो है ही इसमे दोनों के समर्थक वोटर भी आरपार के मूड में आ चुके हैं लंबे समय से सत्ता में काबिज ममता बनर्जी मुसलिम तुष्टिकरण की राजनीति और कानून व्यवस्था के बिगडते हालात के कारण राज्य के एक बड़े मतदाता वर्ग के भी निशाने पर है राज्य में बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बल की तैनाती ने छापा वोटिंग को नियंत्रित कर मतदाता को सुरक्षा प्रदान करने का काम किया है यही कारण है कि बंपर वोटिंग हुई है और परिणाम भी चौकाने वाला आएगा।

देश के अब तक के संवैधानिक इतिहास में पहली बार किसी राज्य का चुनाव मतदान है जिसमें इतना बंपर तादाद में मतदाताओं ने अपने अधिकार का इस्तेमाल कर नया रिकार्ड बनाने की पहल की है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में राज्य की जनता ने इस बार बंपर मतदान किया है, जो राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। पहले चरण में 89.93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है, जो सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। जब लगभग नब्बे प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तो यह स्पष्ट संकेत देता है कि जनता केवल दर्शक नहीं रहना चाहती,जनता जागरूक हो चुकी है बल्कि सत्ता के गठन में सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि इस बंपर वोटिंग के मायने क्या है और क्यों तृणमूल कांग्रेस तथा भारतीय जनता पार्टी दोनों ही अपनी-अपनी जीत के दावे कर रही हैं। इन सबके बीच सबसे पहले, इतने बड़े पैमाने पर मतदान को लोकतंत्र की मजबूती के रूप में देखा जाना चाहिए। अक्सर यह धारणा रही है कि शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत कम रहता है और ग्रामीण इलाकों में अपेक्षाकृत अधिक, लेकिन इस बार जिस तरह से हर वर्ग महिला, युवा, बुजुर्ग ने मतदान में बढ़-चड़कर हिस्सा लिया, वह एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है। यह दर्शाता है कि लोगों में अपने अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। खासकर महिलाओं को बड़ी भागीदारी यह संकेत देती है कि वे अब केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीतिक निर्णयों में भी अपनी भूमिका मजबूत कर रही हैं। सबसे बड़ी बात है कि इस बार का चुनाव पूर्व में बंगाल में हुए चुनावों के मुकाबले हिंसा कम हुआ है। बंगाल में चुनावी हिंसा का लंबा इतिहास रहा है। हालांकि यह भी सच है कि मुर्शिदाबाद के नौदा और बीरभूम के खैराशोल जैसे क्षेत्रों में हिंसा और और ईवीएम ईवीएम से से जुड़ी शिकायतों कायतों ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। झड़पें, पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएं यह बताती हैं कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब भी कई जगहों पर असहिष्णुता में बदल जाती है। चुनाव आयोग और प्रशासन की जिश्मेदारी है कि ऐसी घटनाओं पर सख्ती से कार्रवाई कर भरोसा कायम रखें। इसके बावजूद, यह स्वीकार करना होगा कि इस बार केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस की तैनाती ने कई संभावित बड़ी घटनाओं को रोका है। इसी तरह बीरभूम के खैराशोल और अन्य इलाकों में ईवीएम में गड़बड़ी के आरोपों के बाद जो हिंसक झड़पें हुईं, वे तकनीकी विश्वास के संकट को सामने लाती हैं। जब मतदाता यह महसूस करने लगते हैं कि उनका वोट सही जगह नहीं जा रहा है, तो उनका आक्रोश स्वाभाविक है। हालांकि इस तरह की शिकायतों की सत्यता की जांच जरूरी है, लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि चुनाव आयोग और प्रशासन इस तरह की आशंकाओं को तुरंत और पारदर्शी तरीके से दूर करें। बंगाल में चुनावी हिंसा कोई नई बात नहीं है। इसका इतिहास लंबा और जटिल रहा है।

वर्ष 1993 की कोलकाता फायरिंग, सिंगूर और नंदीग्राम के आंदोलन, और 2011 के बाद के राजनीतिक बदलाव इन सभी घटनाओं ने यह दिखाया कि बंगाल की राजनीति में टकराव एक स्थायी तत्व बन चुका था। तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद उम्मीद थी कि हिंसा की संस्कृति में कमी आएगी, लेकिन 2018 के पंचायत चुनाव, 2019 के लोकसभा चुनाव और 2021 के विधानसभा चुनाव ने इस उम्मीद को पूरी तरह साकार नहीं होने दिया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े भी इस दिशा में संकेत करते हैं कि राजनीतिक हत्याओं के मामले में पश्चिम बंगाल लंबे समय से शीर्ष राज्यों में रहा है। हालांकि इन आंकड़ों पर अक्सर बहस होती रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। ऐसे परिदृश्य में 2026 के पहले चरण में अपेक्षाकृत कम हिंसा होना एक सकारात्मक संकेत जरूर है। खासकर यह तथ्य कि अब तक किसी बड़ी जानलेवा भटना की खबर नहीं आई है, राहत देने वाला है। जहां पहले चुनावी हिंसा आम बात होती थी, वहां अच नियंत्रण और सतर्कता दिखाई दे रही है। यह सुधार लोकतांत्रिक संस्थाओं के मजबूत होने का संकेत है। लेकिन छिटपुट झड़पें, बमबाजी और तोड़फोड़ की घटनाएं यह याद दिलाती हैं कि अभी बहुत कुछ बदलना बाकी है। मगर पश्चिम बंगाल का यह चुनाव यह भी दिखाता है कि लोकतंत्र में सुधार धीरे-धीरे ही संभव है।

तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दल इस बंपर मतदान को अपने-अपने तरीके से व्याख्यायित कर रहे हैं। तृणमूल इसे अपनी नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की स्वीकृति के रूप में देख रही है, जबकि भाजपा इसे बदलाव की इच्छा और सत्ताविरोधी लहर का संकेत बता रही है। सच्चाई इन दोनों के बीच कहीं हो सकती है, जिसका फैसला केवल मतगणना के दिन ही स्पष्ट होगा। अंततः, यह कहा जा सकता है कि 89.93 प्रतिशत मतदान पश्चिम बंगाल के लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह दर्शाता है कि जनता अब अपने अधिकारों के प्रति सजग है और वह अपने भविष्य को तय करने में सक्रिय भूमिका निभाना चाहती है। चाहे परिणाम किसी के भी पक्ष में जाए, इस बंपर वोटिंग ने यह साबित कर दिया है कि लोकतंत्र की असली ताकत जनता के हाथ में है।

दरअसल पं बंगाल का चुनाव ममता बनर्जी की तृणमूल और भाजपा के बीच सत्ता पाने का अखाड़ा तो है ही इसमे दोनों के समर्थक वोटर भी आरपार के मूड में आ चुके हैं लंबे समय से सत्ता में काबिज ममता बनर्जी मुसलिम तुष्टिकरण की राजनीति और कानून व्यवस्था के बिगडते हालात के कारण राज्य के एक बड़े मतदाता वर्ग के भी निशाने पर है राज्य में बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बल की तैनाती ने छापा वोटिंग को नियंत्रित कर मतदाता को सुरक्षा प्रदान करने का काम किया है यही कारण है कि बंपर वोटिंग हुई है और परिणाम भी चौकाने वाला आएगा।

नजरिया

बलबीर पुंज : एक दूरदर्शी एवं ध्येयनिष्ठ चिंतक का अवसान

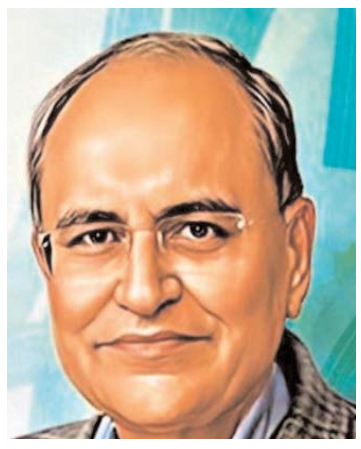

बलबीर पुंज

आज जब बलबीर पुंज हमारे बीच नहीं हैं, तब यह अनुभूति और भी तीव्र हो उठती है कि राष्ट्र ने एक सजग, निर्भीक, सत्यदर्शी एवं राष्ट्रनिष्ठ वैचारिक प्रहरी खो दिया है। उनका जीवन हमें यह स्मरण कराता रहेगा कि ध्येय के प्रति अटूट निष्ठा और धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पण ही जीवन को सच्ची सार्थकता प्रदान करते हैं। जिस दौर में हिंदुत्व, राष्ट्रीय विचारों और सनातन संस्कृति के अनुकूल लेखन करना सहज स्वीकार्य नहीं था, उस दौर में भी उन्होंने ध्येयनिष्ठा का मार्ग चुना, राष्ट्र का पक्ष चुना और जीवन-पर्यंत उसी पर अडिग रहे।

प्रणय कुमार

मोबाइल : 9588225950

प्रख्यात चिंतक, लेखक, स्तंभकार और पूर्व राज्यसभा सांसद बलबीर पुंज नहीं रहे। गत 18 अप्रैल को उनका निधन हो गया। मस्तिष्क इसे मान भी ले तो हृदय मानने को तैयार नहीं होता। क्या लिखा जाए, कैसे लिखा जाए, कहां से शुरुआत की जाए और कहां समाप्त किया जाए? यह तय कर पाना अत्यंत कठिन हो रहा है। कभी-कभी किसी विराट व्यक्तित्व के जाने से ऐसी रिक्तता उत्पन्न होती है, जिसे भर पाना कदाचित संभव नहीं होता। बलबीर पुंज का जाना ऐसी ही रिक्तता का बोध कराता है।

वे एक ऐसे व्यक्तित्व थे, जो सदैव लिखने-पढ़ने वाले लोगों को प्रेरित और प्रोत्साहित करते रहते थे। राष्ट्रीय धारा के लेखकों, स्तंभकारों और पत्रकारों के किसी अच्छे लेख पर वे अपनी टिप्पणी देते, उसे पढ़ने के लिए अपने परिचितों के साथ साझा करते और प्रायः स्वयं फोन कर लेखक को बताते कि उसके लेख में क्या खूबियां हैं, कहां सुधार की आवश्यकता है तथा विषय को और गहराई से समझने के लिए किन-किन लेखकों को पढ़ना चाहिए। यह वास्तव में एक दुर्लभ गुण था, विशेषतः ऐसे व्यक्ति में जो स्वयं एक स्थापित चिंतक, दो बार राज्यसभा सदस्य, भाजपा के बौद्धिक रणनीतिकारों में प्रमुख और संगठन के उच्च पदों पर रहा हो। उनकी सादगी, सहजता, सर्वसुलभता और निरहंकारिता केवल प्रभावित ही नहीं करती थीं, बल्कि कई बार अविश्वसनीय भी लगती थीं। यदि कोई लेखक, पत्रकार या स्तंभकार स्वास्थ्य संबंधी या अन्य किसी समस्या का सामना कर रहा होता, तो वे उसका कुशल-क्षेम लेना कभी नहीं भूलते थे। संपर्क-सूत्र उपलब्ध न होने पर भी वे किसी परिचित से उसका नंबर लेकर उससे संवाद स्थापित करते और उसके दुःख-दर्द में सहभागी बनते। आज के समय में, जब संबंधों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, ऐसी आत्मीयता अत्यंत दुर्लभ है।

आयु के आठवें दशक में भी उनकी सक्रियता आश्चर्यचकित करती थी। वे निरंतर लेखन, चिंतन और विमर्श में सक्रिय रहे। अनेक वॉट्सऐप समूहों पर वे न केवल अपने लेख साझा करते थे, बल्कि दूसरों के लेखों और टिप्पणियों को भी ध्यानपूर्वक पढ़कर उन पर सारगर्भित प्रतिक्रिया देते थे। कभी-कभी वे अन्य महत्त्वपूर्ण लेख साझा कर सभी को उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करते थे। अपने देहावसान से तीन-चार दिन पूर्व तक उनका लेखन जारी रहा, यह उनकी साधना और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उनके लिए लेखन केवल विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि एक साधना थी। वे कहा करते थे कि यदि 'रामजी' ने लेखनी की सामर्थ्य दी है, तो उसका उपयोग देश, धर्म और संस्कृति के लिए होना चाहिए। इसी में जीवन की धन्यता और सार्थकता है। वे लेखकों, पत्रकारों और संपादकों को यह प्रेरणा देते थे कि लेखन को ही अपना सबसे सशक्त उपकरण बनाएं। कार्यक्रमों और आयोजनों की अपेक्षा लेखन अधिक स्थायी प्रभाव छोड़ता है। सधी हुई लेखनी ही समय के शिलालेख पर अपनी अमिट छाप छोड़ती है। इस संदर्भ में वे सीताराम गोयल, रामस्वरूप और धर्मपाल जैसे चिंतकों से प्रेरणा लेने की बात करते थे। उनका कहना था कि उनके जाने के बाद दुनिया ने उनकी लेखनी के तत्त्व व महत्त्व को समझा।

किसी भी विषय पर उनकी समझ अत्यंत गहरी और व्यापक थी। वे केवल घटनाओं की सतह पर नहीं रुकते थे, बल्कि उनके मूल तक जाकर विश्लेषण करते थे। भारतीय विमर्श (नैरेटिव्स) की उनकी समझ विलक्षण थी। उनकी पुस्तक 'नैरेटिव्स का मायाजाल' इस संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। उनके लेखों में लिजलिजी-पिलपिली भावुकता के लिए कोई स्थान नहीं होता था। वे तर्कों को स्पष्टता और तथ्यों को प्रामाणिकता के साथ प्रस्तुत करते थे। यही कारण था कि उनके विचारों का खंडन करना उनके विरोधियों के लिए भी सहज नहीं होता था।

उन्होंने भारतीय सभ्यता, सनातन संस्कृति और उसके इतिहास का गहन अध्ययन किया था। साथ ही, उन्होंने अब्राहमिक सभ्यताओं का भी सूक्ष्म विश्लेषण किया था। इस कारण वे वैश्विक स्तर पर चल रहे सभ्यतागत संघर्ष का यथार्थ चित्र प्रस्तुत कर पाते थे। वे हिंदुत्व की उदारता, बहुलता और सह-अस्तित्व की भावना को पहचानते थे, परंतु इसके समक्ष उपस्थित वर्तमान और संभावित संकटों के प्रति भी उतने ही सजग थे। उन्होंने अपने लेखन के माध्यम से समाज को बार-बार इन चुनौतियों व संभावित संकटों के प्रति सचेत किया था। वे मानते थे कि खंडित समाज किसी भी वैचारिक या सामाजिक चुनौती का सामना नहीं कर सकता। इसलिए उन्होंने संगठित समाज के महत्त्व को जीवनभर रेखांकित किया। वे जानते थे कि वामी-जिहादी-यूरोपंथी गठजोड़ के समक्ष असंगठित हिंदू-समाज टिक नहीं सकता। अतः उन्होंने अपना लेखकीय-जीवन समाज को संगठित करने की आवश्यकता समझाने में समर्पित किया।

वे व्यक्तिगत बातचीत में संगठनात्मक सुधार के बिंदुओं का उल्लेख अवश्य करते थे, परंतु सार्वजनिक रूप से उन्होंने सदैव संगठन की मर्यादा को सर्वोपरि रखा। वे इस बात के प्रति सजग थे कि किसी भी बड़े ध्येय की प्राप्ति के लिए ध्येयनिष्ठा, अनुशासन और व्यक्तिगत आकांक्षाओं का त्याग आवश्यक होता है। वे संघ विचारों के निकट थे और स्वयंसेवकों को साधक के रूप में देखते थे। उनका विश्वास था कि स्वयंसेवकों की साधना से ही समाज में अनुकूल परिवर्तन संभव हुआ है और राष्ट्र, धर्म व संस्कृति के प्रति गौरव-बोध जाग्रत हुआ है। फिर भी, वे इस बात से चिंतित थे कि बौद्धिक और शैक्षिक क्षेत्रों में वामपंथ का प्रभाव अब भी बना हुआ है। उनका मानना था कि साल 2014 के बाद राजनीतिक और हिंदी मीडिया जगत में परिवर्तन अवश्य आया है, परंतु अंग्रेजी मीडिया, शैक्षिक संस्थानों व सत्ता-प्रतिष्ठानों में वैचारिक असंतुलन अभी भी विद्यमान है। वहां अभी भी वामपंथ व औपनिवेशिक मानसिकता हावी है। वे बार-बार कहते थे कि इक्कीसवीं सदी की मुख्य लड़ाई नैरेटिव्स' के स्तर पर ही लड़ी जाएगी। जो इस लड़ाई को जीतेगा, वही अंततः समाज की दिशा तय करेगा। इसलिए वे युवाओं और कार्यकर्ताओं को पढ़ने-लिखने की आदत विकसित करने के लिए प्रेरित करते थे।

वे जनसंख्या के बदलते स्वरूप और उसके सामाजिक प्रभावों को लेकर भी अत्यंत गंभीर थे। इस विषय पर एक विस्तृत पुस्तक लिख रहे थे और इसके लिए उन्होंने सैकड़ों ग्रंथों का अध्ययन किया था। उनका चिंतन वायवीय नहीं, बल्कि यथार्थपरक और तथ्याधारित होता था।

भारत के विभाजन की पीड़ा उनके लेखन और चिंतन में बार-बार प्रकट होती थी। वे इस बात से व्यथित थे कि समाज उस ऐतिहासिक, पीड़ादायक अनुभव एवं त्रासदी से अपेक्षित शिक्षाएं नहीं ले पाया है। वे कहते थे कि यदि समाज अपने अतीत से सबक नहीं लेगा, तो भविष्य में भी वही गलतियां दोहराएगा। वे बदलती जनसंख्या संरचना, मतांतरण, घुसपैठ एवं जनसंख्या के आनुपातिक असंतुलन को गंभीर समस्या मानते थे और समाज को इसके प्रति जागरूक रहने का आग्रह करते थे। उनके अनुसार, आत्ममुग्धता या वास्तविकता से विमुख होना समाज के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। इसलिए वे चाहते थे कि हिंदू-समाज सद्गुण-विकृति का शिकार न हो, बल्कि उससे यथाशीघ्र मुक्त हो।

आज जब बलबीर पुंज हमारे बीच नहीं हैं, तब यह अनुभूति और भी तीव्र हो उठती है कि राष्ट्र ने एक सजग, निर्भीक, सत्यदर्शी एवं राष्ट्रनिष्ठ वैचारिक प्रहरी खो दिया है। उनका जीवन हमें यह स्मरण कराता रहेगा कि ध्येय के प्रति अटूट निष्ठा और धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पण ही जीवन को सच्ची सार्थकता प्रदान करते हैं। जिस दौर में हिंदुत्व, राष्ट्रीय विचारों और सनातन संस्कृति के अनुकूल लेखन करना सहज स्वीकार्य नहीं था, उस दौर में भी उन्होंने ध्येयनिष्ठा का मार्ग चुना, राष्ट्र का पक्ष चुना और जीवन-पर्यंत उसी पर अडिग रहे। निःसंदेह, उनकी स्मृतियां और उनका लेखन आने वाली पीढ़ियों को ध्येयनिष्ठा, साहस और राष्ट्रनिष्ठ चिंतन की प्रेरणा देते रहेंगे।

विपक्ष का महिलाओं के लिए वोट बैंक समझना इस अपमान को नहीं भूलेंगी माता-बहिनें:सुमन शर्मा

चमकता राजस्थान

दौसा।(दीपक शर्मा बामनवास) । भाजपा जिला कार्यालय पर आज नारी शक्ति वंदन अधिनियम जन आक्रोश को लेकर प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सुमन शर्मा ने महिला आरक्षण से जुड़े नारी शक्ति वंदन अधिनियम समेत अन्य विधेयकों पर विपक्ष के रवैये को लेकर तीखा हमला बोला।नारी शक्ति वंदन अधिनियम को रोककर विपक्ष ने महिलाओं का अपमान किया। महिलाएं इस अपमान को भूलने वाली नहीं हैं। आने वाले समय में माता-बहनें इसका जवाब देंगी।

सुमन शर्मा ने कहा कि विपक्ष ने ओछी राजनीति के चलते देश की करोड़ों माताओं-बहनों के अरमानों पर पानी फेर दिया। विपक्ष की राजनीति के कारण देश की करोड़ों महिलाओं को उनका अधिकार मिलने से वंचित रहना पड़ा। यह परिवारवाद वाली पार्टियां हैं। इनके मन में कहीं ना कहीं भय था कि महिलाएं कहीं इनसे आगे नहीं निकल जाएं। इन्होंने विधेयक गिरने के बाद जिस तरह से जश्न मनाया, यह शर्मनाक पल था।प्रियंका गांधी,डिंपल यादव,कोजी मनी इन महिलाओं की सोच परिवारवादी है ये साधारण परिवार की महिलाओं को सत्ता में भागीदारी नहीं दिलाना चाहती।विपक्ष ने हमेशा महिलाओं को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। इन्होंने केवल महिला सशक्तिकरण का नारा लगाया, लेकिन वास्तव में जब आवश्यकता हुई तब उसमें रोड़े अटकाने का काम किया।कांग्रेस ने राष्ट्रहित के बजाय राजनीतिक स्वार्थ को प्राथमिकता दी। विपक्ष ने ओबीसी महिला, परिसीमन व दक्षिण भारत के नाम पर भ्रम फैलाया।

सुमन शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिला शक्ति को संसद और विधान सभाओं में प्रतिनिधित्व देने के लिए ये विधेयक लाए।लेकिन कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और सपा जैसे दलों ने इसका समर्थन न करके महिलाओं की आकांक्षाओंऔर अधिकारों के प्रति अपनी उदासीनता राज जगजाहिर कर दी। कांग्रेस ने अपने स्वार्थ की राजनीति से इसे एक काला पृष्ठ बना दिया।संसद में बिल रुकने के बाद जश्न मनाना महिलाओं का अपमान है।अब महिला मोर्चा की कार्यकर्ता प्रदेश में घर घर जाकर महिलाओं को जागरूक करेगी।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री महिला मोर्चा मूर्ति मीणा ने कहा कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बिल के विरोध पर देश की महिलाएं कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेंगी और आने वाले समय में उसे सबक सिखाएंगी। कांग्रेस पार्टी को महिला विरोधी करार देते हुए उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस सरकार ने संविधान में बदलाव कर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को निष्प्रभावी बना दिया और एक महिला को न्याय से वंचित कर दिया। ऐसे में कांग्रेस पार्टी महिला विरोधी है।यह कदम न केवल उस महिला के साथ अन्याय था,बल्कि देश की करोड़ों मुस्लिम बहनों के आत्मसम्मान को भी आघात पहुंचाने वाला था। महिलाओं के जीवन को सम्मानजनक और सशक्त बनाने के बजाय कांग्रेस ने हमेशा उन्हें साइलेंट वोटर के रूप में देखा। आज की महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। वे उद्योग चला रही हैं, विज्ञान और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं,यह भी तय मान लीजिए कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने वाले ऐसे लोग चौथी बार भी विपक्ष में ही बैठने की तैयारी कर चुके हैं।कांग्रेस सहित विपक्ष और इंडी गठबंधन के पास इस बिल को रोकने का कोई उचित कारण नहीं था,महिलाएं आने वाले चुनाव में देश की महिलाएं काग्रेस, समाजवादी पार्टी,टीएमसी,डीएमके को मुँह तोड़ जवाब देगी एवं चुनाव में हराकर इन्हें सबक सिखाएगी।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक सरोज मीणा सह संयोजक चन्द्रकांता हरितवाल,मंजू साहू,मंजूलता जाटव,जिला मीडिया प्रभारी प्रेम हरितवाल, जिला महामंत्री विपिन जैन,नवीन शर्मा,महावीर उपाध्याय सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

रिलायंस रिटेल के साथ फेंटी ब्यूटी की भारत में शुरुआत

● मुंबई में फेंटी ब्यूटी का लॉन्च, रिहाना रहीं मौजूद

चमकता राजस्थान/मुंबई। वैश्विक ब्यूटी आइकन रिहाना और रिलायंस रिटेल की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ईशा अंबानी मुंबई के पैलेडियम में फेंटी ब्यूटी के इमर्सिव पॉप-अप के अनावरण के मौके पर मौजूद रहीं। यह भारत में ब्रांड के प्रवेश का एक महत्वपूर्ण पल रहा।

रिलायंस रिटेल, जो भारत का सबसे बड़ा रिटेलर है, और फेंटी ब्यूटी–रिहाना का विश्व प्रसिद्ध ब्यूटी ब्रांड–ने 2024 में साझेदारी की घोषणा की थी। इस साझेदारी के तहत ब्रांड के इनोवेटिव और इनक्लूसिव ब्यूटी प्रोडक्ट्स भारत में लाए गए हैं। इस लॉन्च के साथ, यह ब्रांड अब रिलायंस रिटेल के ब्यूटी प्लेटफॉर्म्स, टीरा और सेफोरा इंडिया पर विशेष रूप से उपलब्ध है।

लॉन्च के दौरान कई जानी-मानी फैशन और एंटरटेनमेंट हस्तियां मौजूद रहीं, जिनमें जाह्नवी कपूर, कनिका कपूर, अदिति भाटिया, पश्मीना रोशन और मनीष मल्होत्रा सहित अन्य शामिल थे।

फीनिक्स पैलेडियम में यह इमर्सिव पॉप-अप 25 अप्रैल से 8 मई 2026 तक उपभोक्ताओं के लिए खुला रहेगा, जहां वह फेंटी ब्यूटी का खास अनुभव ले सकेंगे।

मां बगलामुखी जयंती पर धाम पर भव्य जागरण का हुआ आयोजन

चमकता राजस्थान/अविनाश शर्मा/जयपुर। चाकसू कादेड़ा पीतांबरा लोक मा बगलामुखी धाम में माता बगलामुखी जयंती की अवसर पर लोकप्रिय राजस्थानी प्रसिद्ध भजन गायक छोटू सिंह रावणा एवं साथियों द्वारा एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियां दी गई। पीठाधीश्वर आशुतोष बगलामुखी महाराज ने माता बगलामुखी , माता प्रत्ययगिरा देवी , माता चामुंडा देवी विशेष श्रंगार का आयोजन हुआ। पीठाधीश्वर डॉ आशुतोष जी महाराज बगलामुखी ने सभी भक्तों का दुपट्टा उड़ा कर सम्मान किया। वैदिक पंचांग के अनुसार हर साल वैशाख महीने शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को बगलामुखी जयंती मनाई जाती है, धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन मां बगलामुखी प्रकट हुई थी और उनकी पूजा करने से आरोग्य में वृद्धि और शत्रुओं से मुक्ति मिलती है। शत्रु नाश, वाद विवाद में विजय और बघाओ को दूर करने के लिए विशेष पूजा की जाती है। इस दिन माता बगलामुखी को पीतांबरा भी कहा जाता है इसलिए पीले फूल, पीले वस्त्र और पीले भोग का भी अधिक महत्व है। मंदिर परिसर को भव्य लाइटिंग की विशेष सजावट सजाया गया और हर और भक्ति व्यवस्था का माहौल बना हुआ था सभी भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। भजन संध्या में प्रदेश भर से हजारों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया इस ऐतिहासिक का आयोजन राज्य के प्रशासनिक अधिकारी, एवं जुडिशल अधिकारी ,पुलिस वरिष्ठ अधिकारी राजनेता,साहित्यकार पत्रकार, सहित शहर के प्रमुख व्यक्तियों की उपस्थिति रही है।

जायंट्स ग्रुप आफ जोधपुर ब्लू सिटी सहेली की आज मासिक मीटिंग हुई

चमकता राजस्थान/मनीष मेहता/जोधपुर। फन एंड फूड में जिसमें कई सेवा कार्यों की चर्चा की गई क्लब अध्यक्ष नीता जैन ने बताया जगह जगह बसेरा बना सके छाव के लिए सभी झोपड़ियों में सदस्याएं धूप से बचाव के लिए पर्दे और मटकियां पानी की दी जा रही हैं और भी राहत सामग्री दी जाएगी बच्चों के स्कूल में भी दरी टंकिया दी जाएंगी और ठंडे पानी की । मशीन लगाई जाएगी आज कई कार्यक्रम मेंबर्स के लिए रखें गए माला राठौड़ द्वारा हाउजी खिलवाई गई उषा गर्ग की तरफ से लक्की ड्रॉ के पुरस्कार दिए गए सभी ने सेवा कार्यों में बाद चढ़कर हिस्सा लेने की बात कही इस अवसर में नीता जैन माला राठौड़ उषा गर्ग सुनीता छाजेड़ कुसुम जैन नीता छाजेड़ पुष्प जैन शिल्पा लोढ़ा वीना पुरोहित संतोष सिंघल प्रतिभा जैन भारती राठी रीना लोढ़ा वीना भंडारी वीणा सुराणा माला राठौड़ सुधा कोठारी शीला मेहता प्रमिला मेहता मीना सुराणा उपस्थित थी

न्यू एरा पब्लिक स्कूल में इंटरहाउस फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन।।

चमकता राजस्थान/अनिल शेखर/जयपुर। न्यू एरा पब्लिक स्कूल में प्रातः काल में आयोजित इंटरहाउस फुटबॉल टूर्नामेंट का शानदार समापन हुआ। पूरे टूर्नामेंट के दौरान विद्यार्थियों में खेल भावना और उत्साह देखने लायक रहा।

जूनियर वर्ग में अर्थ हाउस ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि सीनियर वर्ग में जुपिटर हाउस ने शानदार खेल दिखाकर जीत हासिल की।

फाइनल मुकाबले बेहद रोमांचक और कांटे की टक्कर वाले रहे, जिनमें खिलाड़ियों ने अंत तक संघर्ष किया। मैच के दौरान छात्रों ने जोरदार तालियों से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें लगातार प्रेरित किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य अभिनव बेरी ने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि खेल हमें अनुशासन, टीमवर्क और नेतृत्व की भावना सिखाते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को भविष्य में भी इसी जोश के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वहीं, दीपाली बेरी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों के उत्साह और खेल भावना की प्रशंसा की तथा कहा कि हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण भागीदारी और प्रयास होता है। यह टूर्नामेंट न केवल प्रतिस्पर्धा का मंच बना, बल्कि विद्यार्थियों में टीमवर्क और खेल भावना को भी मजबूत करने का माध्यम साबित हुआ।

तृतीय गांधी भजन संध्या: अशांत समय में बापू के विचारों की गूंज:राजीव अरोड़ा

चमकता राजस्थान

जयपुर। आज संकल्प सिद्धि गांधी भजन संध्या का तीसरा संस्करण संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी उद्योगपति राजनेता राजीव अरोड़ा ने कहा गांधी भजन संध्या सिर्फ एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं है, यह समय की पुकार का उत्तर है। बढ़ती वैश्विक कट्टरता, असहिष्णुता और अनिश्चितता के बीच जब दुनिया बारूद के ढेर पर बैठी लगती है, तब गांधी जी के भजन ₹वैष्णव जन तो तेने कहिए₹ की धुन ने फिर याद दिलाया कि असली ताकत बंदूक में नहीं, करुणा में है।

दुनिया दो खतरनाक छोरों पर झूल रही है। एक तरफ विचारों की कट्टरता है जो संवाद की जगह नारे चाहती है। दूसरी तरफ आर्थिक-राजनीतिक अनिश्चितता है जो डर को हथियार बनाती है। ऐसे में गांधी जी के तीन सिद्धांत दीपस्तंभ बन जाते हैं। अहिंसा कायरता नहीं, सबसे बड़ा साहस है। सोशल मीडिया पर फैलती नफरत को जवाब गाली से नहीं, तथ्य और धैर्य से देना ही आज की अहिंसा है। जो आपको उकसाए, उसे सुनने का धैर्य ही उसकी कट्टरता को कमजोर करता है। आज सत्य के लिए आग्रह का मतलब है फेक न्यूज के दौर में सच पर टिके रहना। भीड़ जो कहे उसे मानने से पहले खुद जांचना, यही नया सत्याग्रह है। सर्वोदय ₹सबका उदय₹। जब दुनिया ₹हम बनाम वो₹ में बंट रही है, तब गांधी याद दिलाते हैं कि पड़ोसी के दुख से आंख मूंदकर हम खुद सुरक्षित नहीं रह सकते।आज की भजन संध्या में व्यापारी, छात्र, बुजुर्ग जब एक साथ भजन गा रहे थे, तो वही सर्वोदय जीवित हो रहा था।

राजीव अरोड़ा ने कहा इस संध्या की सबसे खूबसूरत बात यह थी कि यहाँ कोई भाषणबाजी नहीं थी। सिर्फ भजन थे, प्रार्थना थी, और मौन था। बापू कहते थे कि ₹प्रार्थना आत्मा की खुराक है₹। जब बाहर शोर बहुत बढ़ जाए, तो भीतर का मौन ही हमें रास्ता दिखाता है। आज की शाम ने सिखाया कि कट्टरता का जवाब और बड़ी कट्टरता नहीं है। जवाब है - अपने रोज के जीवन में गांधी को उतारना। दुकान पर ग्राहक से ईमानदारी, घर में बच्चों को सवाल पूछने की आज़ादी देना, मोहल्ले के दूसरे धर्म के त्योहार में शरीक होना। ये छोटे काम ही बड़ी नफरत के खिलाफ सबसे मजबूत ढाल हैं।

गांधी जी साबरमती में बैठकर दुनिया नहीं बदल रहे थे। वे अपना चरखा चला रहे थे, अपना सच जी रहे थे। अनिश्चितता के इस दौर में हम भी यही कर सकते हैं।

यह भजन संध्या खत्म हो गई, पर इसकी गूंज रहनी चाहिए। क्योंकि जब दुनिया में शोर बढ़े, तो गांधी बनना फैशन नहीं, जरूरत है।

जैसा बापू ने कहा था: 'आप वह बदलाव बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।₹ शुरुआत आज से, अभी से, अपने से।

विद्यालय में लगाए गए पंछियों के लिए परिंडे, बच्चों को दिया संरक्षण का संदेश

चमकता राजस्थान

ब्यावर। विजयनगर रोड स्थित बी एल सोनी स्कूल में भीषण गर्मी के बीच पंछियों की प्यास बुझाने और उनके संरक्षण का संदेश देने हेतु एक सराहनीय पहल की गई। विद्यालय परिसर में पक्षियों के लिए परिंडे (पानी के पात्र) एवं दाना रखने हेतु विशेष पात्र लगाए गए।

संस्था के संस्थापक मुकेश सोनी ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए पानी अमृत के समान होता है। उन्होंने बच्चों को प्रेरित किया कि वे अपने-अपने घरों की छतों पर भी परिंडे लगाकर नियमित रूप से पानी भरें, जिससे अधिक से अधिक पंछियों को राहत मिल सके। विद्यालय की ओर से सभी विद्यार्थियों को एक-एक परिंडा निःशुल्क वितरित किया गया, ताकि वे घर पर भी इस सेवा कार्य को आगे बढ़ा सकें। बच्चों ने उत्साहपूर्वक इस पहल में भाग लिया और पक्षियों की सेवा का संकल्प लिया। अध्यापिका प्रियंका जैन ने कहा कि यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है, बल्कि बच्चों में संवेदनशीलता और जीवों के प्रति करुणा की भावना भी विकसित करती है।

कार्यक्रम में गिरीश सोनी, पुष्पा शर्मा, तनीषा साहू, मानवीर, मनन्या, सौरभ, लविया सिंह, हयात, भाविका, कृष्णा जांगिड़, युवराज सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

महिला आरक्षण पर सियासत तेज:

पार्षद श्वेता सोनी का कांग्रेस पर हमला

● मोदी के संबोधन से गरमाया माहौल।

चमकता राजस्थान/मेड़ता रोड/एजाज़ अहमद उस्मानी। मेड़ता नगर पालिका की महिला पार्षद श्रीमती श्वेता सोनी ने मीडिया से बातचीत में महिला आरक्षण बिल को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में महिला शक्ति से जुड़ा बिल कांग्रेस सरकार लेकर आई थी, लेकिन जब इसे आगे बढ़ाने और पारित करने का समय आया तो उसी सरकार ने इसे नजरअंदाज कर दिया। श्वेता सोनी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नहीं चाहती कि महिलाएं राजनीति में आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के पक्ष में है, जिससे उनकी राजनीतिक भागीदारी बढ़ेगी, लेकिन कांग्रेस इस मुद्दे पर दोहरी नीति अपना रही है। परिसीमन के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि बिना परिसीमन के महिलाओं को सीटें देना संभव नहीं है। परिसीमन आयोग ही यह तय करता है कि किन क्षेत्रों में महिलाओं को प्रतिनिधित्व मिलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस परिसीमन का विरोध कर महिलाओं के अधिकारों में बाधा डाल रही है।

इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाल ही में दिए गए संबोधन के बाद इस मुद्दे पर राजनीतिक माहौल और गरमा गया है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए महिला आरक्षण को ऐतिहासिक कदम बताया और कहा कि इससे देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी। उन्होंने यह भी संकेत दिए कि सरकार महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में अधिक अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पार्षद सोनी ने प्रधानमंत्री के संबोधन का समर्थन करते हुए कहा कि देश की महिलाएं अब जागरूक हो चुकी हैं और अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं अब किसी भी प्रकार की राजनीतिक उपेक्षा को बर्दाश्त नहीं करेंगी।

उन्होंने कहा कि महिलाओं में कांग्रेस सरकार के प्रति आक्रोश है, क्योंकि उन्होंने हर स्तर पर महिलाओं के सम्मान और राजनीतिक भागीदारी को सीमित करने का काम किया है।

आगे की रणनीति को लेकर उन्होंने कहा कि पार्टी के निर्देशानुसार ही निर्णय लिया जाएगा और सभी महिला कार्यकर्ता एकजुट होकर आगे बढ़ेंगी।

घुमंतु बच्चों के जीवन में बदलाव की मिसाल बने रामदास तरुण, भीख छुड़ाकर शिक्षा, सम्मान और उज्ज्वल भविष्य की राह दिखाई

रामदास तरुण

धौलपुर से लेखक

धौलपुर जिले में घुमंतु अर्ध-घुमंतु सपेरा, कालबेलिया समुदाय के बच्चों के जीवन में एक नई रोशनी तब आई, जब समाजसेवी रामदास तरुण ने उनके भविष्य को संवारने का संकल्प लिया। तहसील बाड़ी की ग्राम पंचायत सनौर के अंतर्गत सपेरा अड्डा गदरपुरा में लंबे समय से यह स्थिति बनी हुई थी, कि छोटे-छोटे मासूम बच्चे हाथ में कटोरा और लंबी-लंबी झोलियां लेकर गांव- गांव, घर-घर भीख मांगते नजर आते थे। यह दृश्य न केवल समाज के लिए चिंता का विषय था, बल्कि उन बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए भी एक बड़ा खतरा बनता जा रहा था। रामदास तरुण जब क्षेत्र में फील्ड विजिट के दौरान इन बच्चों को इस स्थिति में देखते, तो उनके मन में गहरी पीड़ा और चिंता उत्पन्न होती। उन्होंने यह महसूस किया कि आज के समय में भले ही इन बच्चों को भीख मिल जाती है, लेकिन आने वाले समय में यह रास्ता बंद हो सकता है। यदि समय रहते इन्हें शिक्षा से नहीं जोड़ा गया, तो ये बच्चे गलत रास्तों की ओर भी जा सकते हैं। इसी सोच ने उन्हें एक ठोस और सकारात्मक पहल करने के लिए प्रेरित किया। युवा चेतना फाऊंडेशन, धौलपुर एवं पूरे इंडिया ट्रस्ट जयपुर संयुक्त तत्वावधान में सपेरा अड्डा गदरपुरा बाड़ी में एक बृज शिक्षा केंद्र गडरपुरा में दिनांकः-14/02/2026 को स्थापना की गई। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य सपेरा और कालबेलिया समुदाय के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है। यहां संस्था द्वारा एक योग्य शिक्षक की नियुक्ति की गई है, जो बच्चों को नियमित रूप से पढ़ाने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान दे रहे हैं। वर्तमान में इस शिक्षा केंद्र में 42 बच्चे पंजीकृत हैं, जिन्हें निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है। संस्था द्वारा बच्चों के लिए बैग, पेन, कॉपी और अन्य आवश्यक स्टेशनरी सामग्री की व्यवस्था की गई है, ताकि आर्थिक तंगी उनके अध्ययन में बाधा न बने। इसके साथ ही बच्चों के स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। समय-समय पर उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाता है, जिससे वे शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकें। बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास के लिए विभिन्न प्रक ार की गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं। इनमें खेलकूद, वाद- विवाद प्रतियोगिता, पेंटिंग प्रतियोगिता, कैरम बोर्ड, वॉलीबॉल तथा पारंपरिक खेल जैसे चिड़िया-बल्ला शामिल हैं। इन गतिविधियों से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ रहा है, और वे नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। रामदास तरुण का यह प्रयास केवल एक केंद्र तक सीमित नहीं है। वे घुमंतु और अर्ध- घुमंतु समुदायों जैसे सपेरा, कालबेलिया, नट, मोगिया, डोम, भाट आदि में ऐसे बच्चों का सर्वे भी करा रहे हैं, जो अभी तक शिक्षा से वंचित हैं। उनका उद्देश्य है, कि इन सभी बच्चों को शिक्षा से जोड़कर उन्हें एक सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान किया जा सके। यह पहल न केवल बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है, बल्कि समाज में एक मजबूत संदेश भी दे रही है, कि यदि सही दिशा और दृढ़ संकल्प हो, तो कि सी भी परिस्थिति को बदला जा सकता है। आज जो बच्चे पहले भीख मांगने को मजबूर थे, वे अब हाथों में किताब लेकर अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। फाउंडेशन को मोटिवेट कर्ता डॉ. विवेक अग्रवाल, डॉ. नवीन नारायण सामाजिक न्याय शोधार्थी, के द्वारा मोटिवेट किया गया। रामदास तरुण और उनकी संस्था का यह सराहनीय कार्य समाज के लिए एक प्रेरणा बनता जा रहा है। यह प्रयास यह साबित करता है, कि एक छोटी सी पहल भी बड़े बदलाव की नींव बन सकती है, और आने वाली पीढ़ी को एक बेहतर भविष्य दे सकती है।

संक्षिप्त समाचार

जिरौली का पुरा (धौलपुर) में बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का भव्य अनावरण

चमकता राजस्थान/अनिल शेखर/धौलपुर। आज जिरोली का पुरा (धौलपुर) में भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर की प्रतिमा का भव्य अनावरण कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि करौली-धौलपुर सांसद भजनलाल जाटव रहे। विशिष्ट अतिथियों में धौलपुर विधायक शोभारानी कुशवाहा, राजाखेड़ा विधायक रोहित बौहरा, बसेड़ी विधायक एवं जिला अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी धौलपुर संजय कुमार जाटव शामिल रहे।

इस अवसर पर प्रशांत परमार, सुआलाल जाटव (अध्यक्ष जाटव महापंचायत धौलपुर), लीना शर्मा, दर्शन लाल जाटव (जिला अध्यक्ष एससी प्रकोष्ठ कांग्रेस), बनवारी लाल जाटव (नगर अध्यक्ष कांग्रेस धौलपुर), समृद्धि दीक्षित सहित चंदनसिंह, रामखिलाड़ी, गुलाबसिंह, मुरारीलाल, रामकिशन, नंदलाल, नेकराम, राजू पहाड़िया, विक्रम पहाड़िया, शिब्बू लोधा (ब्लॉक अध्यक्ष ग्रामीण कांग्रेस), एडवोकेट ब्रजराज, अनिल शेखर सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब का जीवन संघर्ष, समानता, शिक्षा और सामाजिक न्याय का प्रतीक है। उनके विचार आज भी समाज को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित जनों द्वारा सामाजिक समरसता एवं भाईचारे को मजबूत करने के संकल्प के साथ किया गया।

ठाणे महानगर पालिका में राजनीतिक हस्तक्षेप का आरोप; विधायक संजय केलकर ने प्रशासन पर उठाए गंभीर सवाल

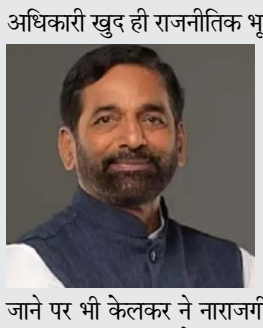

चमकता राजस्थान/अरविंद कोठारी/ ठाणे। ठाणे महानगर पालिका में आखिर किसके आदेश पर काम किए जा रहे हैं या अधिकारी खुद ही राजनीतिक भूमिका निभा रहे हैं, ऐसा गंभीर सवाल भाजपा विधायक संजय केलकर ने उठाया है। शहर के ज्ञानेश्वर नगर क्षेत्र में स्वास्थ्य केंद्र निर्माण को लेक र शिंदे गुट की शिवसेना और ठाकरे गुट की शिवसेना के पार्षदों और कार्यकर्ताओं के बीच बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। इस मामले में पुलिस द्वारा एकतरफा कार्रवाई किए जाने पर भी केलकर ने नाराजगी जताई। उन्होंने सीधे तौर पर आरोप लगाया कि नगर निगम के अधिकारी और आयुक्त किसी एक राजनीतिक दल के 'गुलाम' की तरह व्यवहार कर रहे हैं। साथ ही, जहां पहले पार्क मौजूद था, उसी स्थान पर स्वास्थ्य केंद्र बनाने की जिद आखिर क्यों की जा रही है, यह सवाल भी उन्होंने उठाया। इस पूरे मामले के चलते ठाणे महानगर पालिका में प्रशासनिक कार्यप्रणाली और राजनीतिक हस्तक्षेप को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है।

दिवा क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट बंद; नागरिकों में भय का माहौल, प्रशासन पर लापरवाही का आरोप

चमकता राजस्थान/अरविंद कोठारी/दिवा। क्षेत्र के विकास म्हात्रे गेट से मातोश्री नगर तक पिछले 3 से 4 दिनों से स्ट्रीट लाइट बंद होने के कारण स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर रात के समय अंधेरा होने से वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और नौकरीपेशा लोगों में भय का माहौल बन गया है।जिसके कारण घरों में चोरिया का डर बना है तो रात के अंधेरे ने नशेड़ी लोगों द्वारा किसी के साथ लुट पाट की घटना कर सकते है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग पर रोजाना बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है। लेकिन स्ट्रीट लाइट बंद होने के कारण दुर्घटनाओं और आपराधिक घटनाओं की संभावना बढ़ गई है। कई बार शिकायत करने के बावजूद अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है, ऐसा आरोप नागरिकों द्वारा लगाया जा रहा है। नागरिकों ने प्रशासन से तुरंत ध्यान देकर स्ट्रीट लाइट शुरू करने की मांग दीवा की जनता ने की है। यदि जल्द ही इस पर कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन करने की चेतावनी भी दी गई है।

ऐतिहासिक गौरव का स्वर्णिम अध्याय

औद्योगिक नगरी गोटन में श्री श्रीयादे माता मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव भव्यता के साथ सम्पन्न

चमकता राजस्थान

मेड़ता रोड/एजाज़ अहमद उस्मानी। मेड़ता क्षेत्र की औद्योगिक नगरी गोटन ने एक ऐसा ऐतिहासिक क्षण देखा, जो वर्षों तक स्मरणीय रहेगा। प्रजापति समाज की आस्था, एकता और समर्पण का प्रतीक बने श्री श्रीयादे माता मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन भव्यता, श्रद्धा और उल्लास के साथ हुआ। पूरा गोटन नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर नजर आया।

तीन दिवसीय इस विराट आयोजन के अंतिम दिन वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई तथा भामाशाह सम्मान समारोह ने आयोजन को गौरवपूर्ण आयाम प्रदान किया।

मुख्य अतिथि मेड़ता #विधायक लक्ष्मण नाम मेघवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रजापति समाज ने #मंदिर निर्माण कर सामाजिक एकता और धर्म के प्रति अपनी गहरी आस्था का परिचय दिया है। उन्होंने समाज के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बच्चों की शिक्षा को सशक्त बनाने हेतु समाज भवन में लाइब्रेरी निर्माण

के लिए अपनी विधायक निधि से 11,00,000 (ग्यारह लाख रुपये) देने की घोषणा की। इस घोषणा पर उपस्थित जनसमूह ने जोरदार तालियों के साथ स्वागत किया। विधायक ने यह भी कहा कि आवशत्यकता अनुसार राशि और बढ़ाई जाएगी।

इस अवसर पर आरती प्रजापति (दिल्ली), अमित सिंघाटिया (जोधपुर), प्रेमलता प्रजापति उप प्रधान (बावड़ी) सहित कई गणमान्य वक्ताओं ने समाज की एकजुटता और आयोजन की भव्यता की सराहना की।

● देशभर से जुटे उद्योगपति व भामाशाह

इस ऐतिहासिक आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिष्ठित उद्योगपतियों एवं समाज बंधुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें प्रमुख रूप से–

रामस्वरूप सिरसवा, विनोद प्रजापति (बेंगलुरु), भगवानराम लिम्बा (सूरत), राजूराम प्रजापति (राजकोट), पदमराम प्रजापति (राजकोट), श्रवनराम घोडेला (हैदराबाद) भंवरलाल ओड़िया जोधपुर, अमराराम सूरत, सहित अनेकों भामाशाह शामिल हुए।

इन सभी का मंच से सम्मान कर समाज ने उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

आस्था और सहयोग का अद्भुत संगमः प्रमुख बोलियां

मंदिर के धार्मिक कार्यों के लिए भामाशाहों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए ऐतिहासिक बोलियां लीं–

मंदिर कलश (इंडे): 22,51,000 शंभूराम , मुकेश कुमार, पंकज कुमार जलान्धरा गोटन,

श्रीयादे माता मूर्ति स्थापनाः 11,51,000 विनोद कुमार पुत्र रविशंकर जी (बोरावड़) बेगलोर

शिव परिवार स्थापनाः 3,51,000 विनोद कुमार पुत्र रविशंकर जी (बोरावड़) बेगलोर

अमर ध्वजाः 2,51,000 विनोदकुमार पुत्र रविशंकर जी (बोरावड़) बेगलोर

गुम्बद मूर्तियांः 2,01,000 विनोद कुमार पुत्र रविशंकर जी (बोरावड़) बेगलोरज

गजानंद भगवान स्थापनाः 2,01,000 रामदयाल जालंधरा

प्रहलाद भगवान स्थापनाः 1,51,000 भोलाराम जालंधरा

महाआरतीः 1,11,000 राधेश्याम भोमरिया परिवार

नगाड़ाः 31,111 तुलसीराम लिम्बा

झालर-टंकोराः 2,11,000 राजूराम सिरसवा

पट खोलनाः 1,51,000 रामूराम कड़ीवाल (खारिया)

प्रथम भोगः रामकरण, रामदेव मालवीया (टालनपुर)

श्रीयादे माता श्रृंगारः रामलाल मंगरोला (ईंदावड़)

विष्णु भगवान श्रृंगारः 1,71,000 रामप्रकाश गुंगोदा

गजानंद भगवान श्रृंगारः 1,51,000 रामस्वरूप सिरसवा

प्रहलाद भगवान श्रृंगारः 1,31,000 रामकुमार श्रीराम रावोरिया

बोलियों के पश्चात विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक विधि-विधान से सभी मूर्तियों की स्थापना करवाई गई। इसके उपरांत मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं भामाशाहों का साफा व माला पहनाकर सम्मान किया गया।

हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम का समापन गुंगोदा परिवार द्वारा आयोजित भव्य महाप्रसादी के साथ हुआ, जिसमें सभी ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया।

अध्यक्ष रामकिशोर मंगरोला ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया, वहीं उपाध्यक्ष हरदेवराम जालंधर सचिव चुनाराम जालंधरा पूर्व सरपंच प्रतिनिधि कालूराम जालंधरा ने बताया कि समाज बंधुओं ने खुले दिल से सहयोग की घोषणाएं कीं।

मंच संचालन सोहनलाल प्रजापति एवं रामदेव जालंधरा ने प्रभावी ढंग से किया।

यह महाआयोजन न केवल गोटन बल्कि सम्पूर्ण प्रजापति समाज के लिए ऐतिहासिक गर्व का विषय बन गया–जहां आस्था, एकता और सहयोग की अद्भुत मिसाल देखने को मिली।

पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रीय ने कोतवाली थाने पर जनसुनवाई कर एसपी कार्यालय में मीडिया कर्मियों के साथ की प्रेस वार्ता

चमकता राजस्थान

राकेश अग्रवाल/सवाई माधोपुर। जिले की पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रीय के द्वारा कोतवाली थाने पर जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं को सुना। पुलिस अधीक्षक ने आमजन में विश्वास ओर अपराधियों में भय को लेकर लगातार जिले के हर थानों हर पुलिस चौकियों पर जनसुनवाई के माध्यम से आमजन को राहत दिलाने ओर भय मुक्त करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी को लेकर आज पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी के द्वारा आलनपुर कोतवाली थाने पर जनसुनवाई की गई।जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक ने मौके पर उपस्थित आमजन की समस्याओं को सुनते हुए विश्वास दिलाया कि उनकी हर समस्या पर समाधान किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा

मैत्रेयी ने जनसुनवाई में मौजूद आमजन से साइबर फ्रॉड को लेकर जागरूक किया। पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी ने कहा कि आज कोतवाली थाना, कुण्डेरा थाना एवं थाना मान टाऊन की समग्र जनसुनवाई रखी गई । जिसका मुख्य उद्देशय आमजन ओर पुलिस की दूरी को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि हमारे कानून में जो साठ दिन ओर नब्भे दिनों की पालना हे उसकी भी पूर्ण रूप से पालना हो।पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हमारे सवाई माधोपुर में रणथंभौर जिसकी दुनियाभर में पहचान हे उसको लेकर उन्होंने कहा कि रणथंभोर रोड ट्रैफिक मुक्त हो उसको लेकर भी आज चर्चा की गई।एसपी ने कहा कि हमारे साइबर अपराधों के 1930 पोर्टल हे उन्होंने कहा कि साइबर फ्रॉड जैसे मामलों को लेकर पुलिस को तुरंत जानकारी दे ।वही पुलिस अधीक्षक ने जनसुनवाई में चर्चा कर शहर की व्यवस्थाओं को कैसे दुरुस्त कर सके उसके ऊपर चर्चा की गईं। जनसुनवाई में कोतवाली थानाधिकारी मदनलाल मीणा,मान टाऊन थाना अधिकारी सुनील गुप्ता, कुंडेरा थाना अधिकारी सहित पुलिस कर्मी एवं आमजन मौजूद रहे।

संविधान की शपथ लेकर रचाई शादी

चमकता राजस्थान/खरगोन। राष्ट्रीय बौद्ध महासभा के जिला अध्यक्ष प्रकाश सागौर ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 24 अप्रैल 2026 को शाम 5 बजे अंबेडकर पार्क, नेशनल हाईवे निमरानी में एक अनूठा विवाह समारोह संपन्न हुआ।इस विवाह में वर अरविंद आजाद हिरवे (पिता भगीरथ हिरवे,ग्राम मोहना,ताह सीला महेश्वर,जिला खरगोन) एवं वधू रानी (पिता राजेश पंचोली, ग्राम निमरानी,ताह सीला कसरावद) ने बौद्ध धर्म की रीति से विवाह किया।विवाह समारोह की विशेषता यह रही कि वर-वधू ने महापुरुषों के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर गौतम बुद्ध और डॉ.भीमराव अम्बेडकर के समक्ष भारतीय संविधान की शपथ लेकर विवाह संपन्न किया।यह विवाह महाकारुणिक बुद्ध विहार खरगोन के संरक्षक संजीव कुमार (बौद्धाचार्य) द्वारा संपन्न कराया गया। उन्होंने सर्वप्रथम बुद्ध वंदना,त्रिशरण एवं पंचशील का पाठ करवाकर मंगल गाथा के साथ विवाह पूर्ण कराया ।विवाह उपरांत वर-वधू को उनके माता-पिता,रिश्तेदारों,समाजजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों द्वारा आशीर्वाद प्रदान किया गया।

अहमदाबाद से पैदल पहुंचे 5 श्रद्धालु, किया स्वागत

राजा बाण मेलड़ी माता मेला शुरू भक्ति संध्या में झूमे श्रद्धालु

चमकता राजस्थान

पाली। आमजन की आराध्य राजा बाण मेलड़ी माता का दो दिवसीय वार्षिक मेला पंच कुंडीय यज्ञ अनुष्ठान के साथ धूमधाम से शुरू हुआ। मन्दिर प्रबंधक भुआजी राजू भाई चौधरी की देखरेख में शुरू हुए इस मेले से पूर्व सोमवार रात भक्ति संध्या हुई। इसमें कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर श्रोताओं को को मंत्रमुग्ध कर दिया। शीतलामाता सड़क मार्ग रामजी वाला बेरा पर स्थित माता मंदिर प्रांगण में सुबह 6 बजे यज्ञाचार्य दिवाकर व्यास घाणेराव, पंच पंडितों ने भुआजी राजू भाई चौधरी पवन निश्रा

यजमान नेमाराम चौधरी, तेजाराम माली, छगन देवासी, विमल भाई, गणपत मालवीय ने नवग्रह शांति अनुष्ठान में दुर्गा सप्तशती अध्याय वैदिक पर आहुतियां दी। शाम 5 बजे अनुष्ठान संपन्न होने पर महाआरती हुई।मन्दिर प्रबंधक भुआजी राजू भाई चौधरी की देखरेख में रसोड़दार ने महाप्रसादी में व्यंजन बना माता को भोग अर्पित कर भक्तों ने महाप्रसादी लुत्फ लिया। मन्दिर समक्ष पंडाल में भुआजी राजू भाई चौधरी, शिक्षाविद् प्रवीण वैष्णव बाली, संत करणगिरी, चंद्रशेखर मेवाड़ा, जगदीशसिंह, शांतिलाल माली, तेजाराम, लक्ष्मण देवासी, नवीन, बबलू व राजाराम चौधरी ने दीप प्रज्वलन कर भक्तिसंध्या की। शुरूआत की दीपक राठौड़ ने गणपति वंदना, गणेश देवासी ने गुरु वंदना प्रस्तुत की। इसके बाद नरेश राव, अशोक रोहिडी, विनोद गोमती, शंकर टाक, दुर्गा जसराज आदि ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी जिससे श्रोता झूमने लगे। आए, जोधपुर से आये मेहमान दीपक, जगिया पिंटिया सहित नृत्य कलाकारों ने देवी-देवताओं के स्वांगधर अपनी प्रस्तुति दी।

भीषण गर्मी और लू का कहर

● छोटे स्कूली बच्चों पर सबसे ज्यादा असर,

● समय परिवर्तन की मांग तेज, नागौर में आदेश का इंतजार

चमकता राजस्थान/मेड़ता रोड/एजाज़ अहमद उस्मानी। राजस्थान में इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। तापमान लगातार बढ़ने के कारण लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। खासतौर पर सुबह 11 बजे के बाद हालात और भी गंभीर हो जाते हैं, जब तेज धूप और गर्म हवाएं लोगों को झुलसा देती हैं। इस भीषण गर्मी का सबसे ज्यादा असर नागौर जिले में स्कूली छोटे बच्चों पर देखने को मिल रहा है। जिला मुख्यालय सहित जिले के सभी शहरों व ग्रामीण क्षेत्रों में दोपहर के समय स्कूल से लौटते वक्त बच्चे लू और तेज धूप की चपेट में आ रहे हैं, जिससे उनकी सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बढ़ गई है। अभिभावकों में इस स्थिति को लेकर चिंता साफ नजर आ रही है। प्रदेश के कई जिलों के जिला कलेक्टरों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्कूलों के समय में बदलाव कर दिया है। नए आदेशों के तहत स्कूलों का समय सुबह जल्दी कर दिया गया है, ताकि बच्चों को दोपहर की भीषण गर्मी से बचाया जा सके।हालांकि, नागौर जिले में अभी तक स्कूल समय परिवर्तन को लेकर जिला कलेक्टर द्वारा कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं किया गया है। इससे अभिभावकों और स्थानीय लोगों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। वे लगातार प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द स्कूलों के समय में बदलाव किया जाए।

अभिभावकों का कहना है कि वर्तमान परिस्थितियों में बच्चों को दोपहर की तेज गर्मी में स्कूल भेजना जोखिम भरा है। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि अन्य जिलों की तरह नागौर में भी तुरंत प्रभाव से स्कूलों का समय सुबह किया जाए, ताकि बच्चों को लू और गर्मी से बचाया जा सके। वर्तमान में स्कूल का समय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक निर्धारित है, जिसे बदलकर सुबह 7:30 बजे से 11:00 बजे तक किया जाना चाहिए। इससे कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा आठ तक के छोटे विद्यार्थियों को काफी राहत मिल सकेगी और वे भीषण गर्मी के प्रकोप से सुरक्षित रह पाएंगे।

अब सभी की नजरें नागौर जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि वह कब इस गंभीर मुद्दे पर फैसला लेकर अभिभावकों और बच्चों को राहत प्रदान करेगा।

गौ माता को राष्ट्र माता बनाने के लिए व्यापक स्तर पर जनजागरण

चमकता राजस्थान।

राजूराम मेघवाल/ जोधपुर। पत्रक बांटे; 27 अप्रैल को विशाल जन रैली गौ सम्मान आव्हान अभियान के समर्थन में ओसियां के गौभक्तों द्वारा विशेष जन जागरण व हस्ताक्षर अभियान चलाया गया इस दौरान लोगों को पत्रक बांटकर आमंत्रित कर आगामी 27 अप्रैल को उपखंड मुख्यालय पर आयोजित ज्ञापन कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आग्रह किया गया। कार्यक्रम के दौरान गौमाता के प्रति श्रद्धा और संरक्षण के संकल्प को दोहराते हुए उपस्थित लोगों से अभियान को जन-जन तक पहुंचाने की

अपील की गई। आयोजक मंडल के नारायणसिंह राजपुरोहित ने कहा कि यह अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि गौवंश के सम्मान और संरक्षण के लिए समाज को जागरूक करने का एक बड़ा प्रयास है। इस अवसर पर राजस्थान गोसेवा समिति जोधपुर के जिला अध्यक्ष हरनारायण सोनी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गौमाता भारतीय संस्कृति और आस्था का प्रमुख आधार है, उनका संरक्षण केवल धार्मिक नहीं बल्कि सामाजिक आर्थिक और चिकित्सीय दृष्टि से भी अत्यंत आवशत्यक है। एडवोकेट जितेंद्र पंचारिया ने कहा कि यह अभियान समाज को एकजुट कर गौ सेवा के प्रति जागरूक करने का सशक्त माध्यम बन रहा है। 27 अप्रैल को सुबह 10 बजे देवका बेरा हनुमानजी का मंदिर व गौशाला परिसर में अधिक से अधिक संख्या में इकट्ठे होकर रैली के रूप में उपखंड कार्यालय तक पहुंचकर हम सभी को इस आंदोलन को मजबूत बनाना चाहिए। इस मौके पूर्व सरपंच भगवानदास राठी, एडवोकेट रूपेश ओझा, गौभक्त जोगराजसिंह राजपुरोहित, श्रवण सोनी, राज शर्मा, माधव कालानी, नारायणसिंह राजपुरोहित, दिलीप सोनी, सुनील लाहोटी, मोतीलाल सोनी, नारायण चांडक, अनिल सोनी, मुरलीधर चांडक, हरनारायण सोनी, कुन्नाराम जानी, दिनेश गोस्वामी, दोलाराम हुड्डा धुंधाडा, रामदेव तिवारी,दौलाराम वाना नेवरा, राजेंद्र खीचड़, लूणाराम भांबू, बाबूराम जाखड़ सहित कई गौभक्तों ने जन जागरण अभियान में भाग लिया।

संक्षिप्त समाचार

जिला अस्पताल में आगजनी की मॉक ड्रिल से परखी गई आपदा प्रबंधन एवं राहत व्यवस्था की तैयारी

चमकता राजस्थान/ धौलपुर रामदास तरुण। जिले में आपदा प्रबंधन और आंतरिक सुरक्षा तंत्र को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिला अस्पताल परिसर में शुक्रवार को आगजनी की व्यापक मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस अभ्यास के दौरान अस्पताल में आग लगने की काल्पनिक स्थिति निर्मित कर राहत एवं बचाव कार्यों की वास्तविक परिस्थितियों में जांच-परख की गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड, पुलिस, सिविल डिफेंस और होमगार्ड की टीमें कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुंच गईं और तत्परता के साथ राहत कार्य शुरू कर दिया।अस्पताल में भर्ती मरीजों को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालकर पूर्व निर्धारित सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया। गंभीर एवं ऑक्सीजन सपोर्ट पर निर्भर मरीजों को विशेष सावधानी के साथ ट्रॉमा सेंटर में स्थानांतरित किया गया, जबकि अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने उच्च स्तर की दक्षता का प्रदर्शन करते हुए अल्प समय में आग पर काबू पा लिया। इस दौरान रेस्क्यू टीमों ने उत्कृष्ट समन्वय का परिचय देते हुए वार्ड खाली कराना, आपातकालीन सेवाओं को निर्बाध बनाए रखना और संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया। जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी एवं जिला पुलिस अधीक्षक ने मौके पर पहुंचकर पूरी ड्रिल का बारीकी से निरीक्षण किया। जिला कलक्टर ने संबंधित विभागों को आवशयक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, बेहतर समन्वय और संसाधनों का सही उपयोग ही जनहानि को न्यूनतम कर सकता है। ड्रिल के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा, सीओ सिटी कृष्ण राज, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्मसिंह मीणा, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. समरवीर सिंह सिकरवार सहित पुलिस एवं प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद रहे।

लायंस क्लब जोधपुर में गवर्नर लायन रामकिशोर गर्ग की विजिट और पूर्व प्रांतपालों का होगा सम्मान

चमकता राजस्थान/मनीष मेहता/जोधपुर। लायंस क्लब जोधपुर एक्टिव में गवर्नर अजमेर से लायन राम किशोर जी गर्ग की विजिट जोधपुर एक्टिव की 26 अप्रैल को होगी क्लब क्लब अध्यक्ष उषा गर्ग सचिव डायरेक्टर लायन अरुण बलाई ने बताया कार्यक्रम 12,30 बजे से 3 बजे सोजती गेट होटल गैलेक्सी में होगा इस कार्यक्रम में पूर्व गवर्नर महिला सशक्तिकरण की मिसाल लायन सुशीला जी बोहरा पूर्व प्रांतपाल सुरेश जी गोयल पूर्व प्रांतपाल डॉक्टर डी एस चौधरी जी पूर्व मल्टीपल चेयरमैन और पूर्व गवर्नर डॉक्टर संजीव जैन का सम्मान भी किया जाएगा कार्यक्रम में अतिथि समाजसेवी ललित पारवानी होंगे इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली सेवा भावी क्लब सदस्यों में शी शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत सम्मान भी किया जाएगा कार्यक्रम में गीत संगीत और कई प्रतियोगिता होंगी सिद्धि जौहरी डॉक्टर ज्योत्सना व्यास आशा पाराशर और भी लोग पधारेंगे मीडिया जगत में कई मीडिया के लोगों का भी सम्मान किया जाएगा कई विभिन्न लोगों का सम्मान होगा विशेष काम किया वरिष्ठ लायन आर के ओझा सभी इस कार्यक्रम में जुड़े है अशोक मित्तल एडवोकेट नीलम गोयल नीलम सोनी त्रिलोक मेहरा गीता खेतानी नरेंद्र चौहान संजीव व्यास रॉकस्टार अमित पेड़ीवाल अभीलेश वडेरा तैयारी में जुटे हैं।

19 अप्रैल से लापता मदनलाल की तलाश जारी, सूचना देने पर 5000 इनाम घोषित

चमकता राजस्थान/ग्नोज खत्री/चीफ डीग। डीग जिले के सहसन गांव से एक चिंताजनक मामला सामने आया है, जहां गांव निवासी मदनलाल पिछले कई दिनों से लापता हैं। परिजनों के अनुसार मदनलाल 19 अप्रैल 2026 से घर नहीं लौटे हैं, जिसके बाद से परिवार गहरे सदमे में है और लगातार उनकी तलाश कर रहा है।परिवारजनों द्वारा आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन की जा रही है, वहीं आमजन से भी मदद की अपील की गई है। मदनलाल के लापता होने से गांव में भी चिंता का माहौल बना हुआ है।

परिजनों ने घोषणा की है कि जो भी व्यक्ति मदनलाल के बारे में सही जानकारी देगा या उन्हें ढूंढने में मदद करेगा, उसे 5000 की नकद राशि इनाम के रूप में दी जाएगी।यदि किसी भी व्यक्ति को मदनलाल के बारे में कोई जानकारी मिले या वे कहीं दिखाई दें, तो कृपया तुरंत निम्न नंबरों पर संपर्क करें: 9352807603, 9983579315

गायत्री साधक सोलंकी को दी श्रद्धांजली

चमकता राजस्थान/जयपुर। गायत्री परिवार ओसियां के वरिष्ठ परिजन ओमप्रकाश सोलंकी का निधन होने पर कस्बे में शोक की लहर छा गई ।सोलंकी अभी दो महीने से थोडे बीमार थे ।सोलंकी अध्यापक की नोकरी से सेवा निवृत होने के बाद अपना जीवन समाज सेवा एवं धार्मिक कार्यो में लगा दिया ।कस्बे में कोई भी धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सोलंकी हमेशा अग्रणी रहते थे ।सोलंकी पीपां क्षत्रीय समाज के दो बार अध्यक्ष रहकर पीपांजी मंदिर में बहुत विकास कार्य करवाये ।सोलंकी गायत्री परीवार के सक्रीय कार्यकर्ता रहते हुए भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के लिए क्षेत्र के सभी विधालयो मे संपर्क कर छात्रों को इस परीक्षा में भाग लेने के प्रेरित करते थे ।पेंशनर समाज के सचिव के पद पर रहते हुए पेंशनरों की समस्या का समाधान कर उनकी मदद कर ते थे ।गायत्री परीवार के मोतीलाल सोनी ने बताया कि सोलंकी के निधन का सामाचार सुनकर गायत्री परीवार, भारत विकास परिषद, माहेश्वरी समाज, ब्राहमण समाज, क्षत्रीय समाज, दर्जी समाज, विभिन्न गोशालाओ, शैक्षणिक संस्थानों,धार्मिक संस्थानों एवं राजनैतिक संगठनों के पदाधिकारियों ने उनके आवास पर पुत्र जीतेन्द्र, मोतीलाल एवं हरिश को सांत्वना देकर ढांढस बधाया ।

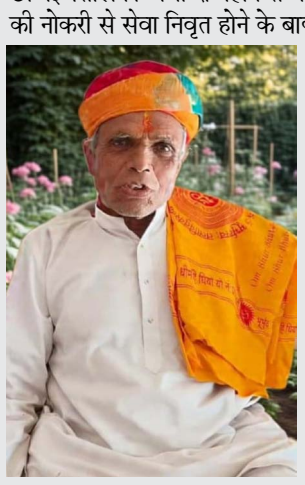

सहारनपुर में परशुराम जन्मोत्सव पर उमड़ा जनसैलाबः

सपा नेता अभिषेक टिंकू अरोड़ा ने भव्य स्वागत कर पेश की सामाजिक सद्भाव की मिसाल

चमकता राजस्थान

अब्दुल खालिद/सहारनपुर। भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पावन पर्व पर आज महानगर में श्रद्धा और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। ब्राह्मण समाज और त्यागी समाज के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल शोभायात्रा का भव्य आयोजन किया गया, जो नगर के विभिन्न मुख्य मार्गों से होती हुई गौरवशाली ढंग से जनमंच पर जाकर संपन्न हुई। शोभायात्रा के स्वागत के लिए नगर में जगह-जगह भारी उत्साह देखा गया, लेकिन सबसे प्रमुख आकर्षण कोर्ट रोड पर लगा समाजवादी पार्टी का स्वागत कैंप रहा। यहाँ वरिष्ठ सपा नेता और पार्षद अभिषेक टिंकू अरोड़ा ने अपने दर्जनों साथियों के साथ मिलकर शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा की और समाज के प्रबुद्ध एवं सम्मानित व्यक्तियों का फूल-मालाओं से जोरदार अभिनंदन किया। टिंकू अरोड़ा द्वारा लगाए गए इस कैंप में भीषण गर्मी के मद्देनजर श्रद्धालुओं और राहगीरों के लिए शीतल जल एवं प्रसाद के वितरण की विशेष व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए अभिषेक

2027 में सपा सरकार बनने पर भगवान परशुराम जयंती पर पुनः सरकारी अवकाश किया जाएगा घोषित- अभिषेक टिंकू अरोड़ा

टिंकू अरोड़ा ने कहा कि भगवान परशुराम केवल एक समाज के नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के प्रेरणा स्रोत हैं और उनकी जन्मोत्सव शोभायात्रा में सेवा करने का अवसर मिलना उनके लिए बड़े सौभाग्य की बात है। उन्होंने एक बड़ा राजनीतिक संकल्प दोहराते हुए कहा कि जनता के आशीर्वाद से 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर, राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा परशुराम जयंती पर पुनः सरकारी अवकाश घोषित किया जाएगा, ताकि समाज का हर वर्ग इस पर्व को पूरी श्रद्धा के साथ मना सके। कार्यक्रम में सपा जिला कार्यालय प्रभारी फैसल सलमानी, महानगर अध्यक्ष हाजी नवाब अंसारी और पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष विजेश कुमार इंजीनियर ने भी शिरकत की और ब्राह्मण व त्यागी समाज को इस भव्य आयोजन की बधाई देते हुए आपसी भाईचारे का संदेश दिया। इस स्वागत समारोह में पार्षद राजीव अन्नू, शुभम शर्मा, गोविंद वर्मा, जोगिंदर सिंह, गुरविंदर बजाज, मोहित पसरिचा, रवि यादव, शुभम थापा, मोहित यादव सहित समाजवादी पार्टी के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उत्साहपूर्वक सम्मिलित रहे।

युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

उत्तर प्रदेश कौशल विकास योजना के तहत युवाओं को मिलेगा मुफ्त प्रशिक्षण और गारंटी जॉब

चमकता राजस्थान

इटावा। मोहम्मद दिलशाद। उत्तर प्रदेश सरकार की 'कौशल विकास मिशन' योजना के अंतर्गत जनपद के युवाओं के लिए रोजगारपरक शिक्षा प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। इटावा स्थित 'कौशल विकास केंद्र' (चौगुर्जी) में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र से संबंधित विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए निःशुल्क प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है।

● कोर्स और सुविधाएं:

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत मुख्य रूप से तीन कोर्स कराए जा रहे हैं: नर्सिंग असिस्टेंट, जनरल ड्यूटी असिस्टेंट (GDA) और हॉस्पिटल फ्रंट डेस्क कोऑर्डिनेटर। यह सभी कोर्स 6 माह की अवधि के हैं। प्रशिक्षण की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि छात्रों को मोतीझील हॉस्पिटल में व्यावहारिक अनुभव (प्रैक्टिकल ट्रेनिंग) प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। संस्थान द्वारा कोर्स पूरा करने के बाद छात्रों को शत-प्रतिशत नौकरी (गारंटी जॉब) दिलाने का आश्वासन भी दिया जा रहा है।

● पात्रता एवं आवेदन:

योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक का न्यूनतम 10वीं पास होना अनिवार्य है। आयु सीमा 18 से 35 वर्ष निर्धारित की गई है। सीटों की संख्या सीमित होने के कारण ₹पहले आओ, पहले पाओ₹ के आधार पर प्रवेश दिया जा रहा है।

● अंतिम तिथि:

इच्छुक अभ्यर्थी 28 अप्रैल 2026 तक अपने दस्तावेजों के साथ आवेदन कर सकते हैं।

एकदिवसीय रोजगार मेला का आयोजन 28 अप्रैल को

- **राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सुमेरपुर जनपद हमीरपुर परिसर में रोजगार मेला का आयोजन**

चमकता राजस्थान/सुनील कुमार/हमीरपुर। सुमेरपुर, हमीरपुर। सेवायोजन निदेशालय, उ०प्र०, लखनऊ के निर्देशानुसार जिला सेवायोजन कार्यालय, हमीरपुर द्वा-रा जनपद के शिक्षित बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेला दिनांक 28 अप्रैल 2026 (मंगलवार) को प्रातः 10:00 बजे से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सुमेरपुर, जनपद हमीरपुर परिसर में आयोजित होगा। इस मेले में विभिन्न प्रतिष्ठित निजी क्षेत्र की कंपनियां/ नियोजक प्रतिभाग करेंगे, जो विभिन्न पदों पर योग्य अभ्यर्थियों का चयन करेंगे। इच्छुक अभ्यर्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे रोजगार संगम पोर्टल (rojgaarsangam.up.gov.in) पर अपना पंजीकरण/ऑनलाइन आवेदन सुनिश्चित कर लें तथा मेले में प्रतिभाग करते समय अपने समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की मूल प्रति, छायाप्रति एवं पासपोर्ट आकार के फोटो साथ लाएं।जो अभ्यर्थी किसी कारणवश ऑनलाइन पंजीकरण नहीं कर पा रहे हैं, वे भी सीधे रोजगार मेले में उपस्थित होकर साक्षात्कार प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। जनपद के समस्त इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि इस सुनहरे अवसर का अधिकतम लाभ उठाएं।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत हरित नगर की पहल

- **खरगोन शहर के मध्य डिवाइडरों पर हुआ पौधारोपण**
- **पर्यावरण संरक्षण व जल संवर्धन का दिया गया संदेश**

चमकता राजस्थान/खरगोन। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगर को हराभरा एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल की गई। अभियान के तहत शहर के मध्य स्थित डिवाइडरों पर पौधारोपण किया गया,जिससे नगर की सुंदरता के साथ-साथ हरित वातावरण को भी बढ़ावा मिले।

पौधारोपण कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष छाया जोशी,नगर पालिका सीएमओ सुश्री कमला कौल,नगर पालिका उपाध्यक्ष भोलू कर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी प्रकाश चित्ते सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने सहभागिता निभाते हुए पौधे लगाए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया।कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन तथा स्वच्छ एवं हरित नगर के महत्व का संदेश दिया गया। जनप्रतिनिधियों ने नागरिकों से अधिकाधिक पौधारोपण करने एवं जल स्रोतों के संरक्षण में सहयोग करने की अपील की, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण मिल सके।

जयपुर में जमीन किराए के नाम पर 4 लाख की धोखाधड़ी

- **फर्जी दस्तावेज और कूटरचना का आरोप**
- **शिवदासपुरा थाने में मामला दर्ज**

चमकता राजस्थान/जयपुर। दो एफआईआर दर्ज होने के बावजूद अभी तक कोई कार्रवाई नहीं राजधानी जयपुर के शिवदासपुरा थाना क्षेत्र में जमीन किराए पर देने के नाम पर बड़ी धोखाधड़ी और कूटरचना का मामला सामने आया है। इस संबंध में तीन लोगों ने अरुण कुसुंबीवाल नामक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी, अमानत में खयानत, आपराधिक धमकी और फर्जी दस्तावेज तैयार करने की गंभीर शिकायत दर्ज कराई है।शिकायतकर्ताओं ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि दिसंबर 2024 में वे स्कूल डवलपमेंट क्लासेज और मोटर गैराज के लिए जमीन की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान आरोपी अरुण कुसुंबीवाल ने उनसे संपर्क किया और खुद को रिसर्च डेवलपमेंट एसोसिएशन (आरडीए) का सचिव एवं अधिकृत प्रतिनिधि बताते हुए जगतपुरा स्थित सीडी ब्लॉक, महल योजना के एक इंस्टीट्यूशनल भूखंड को किराए पर देने का दावा किया।

आरोपी ने भरोसा दिलाया कि वह उक्त भूमि को किराए पर देने के लिए अधिकृत है और उसने खुद को बड़ा व्यवसायी एवं वास्तुकार बताया। उसकी बातों में आकर शिकायतकर्ताओं ने उक्त भूमि पर 1 लाख रुपये प्रतिमाह किराए पर समझौता किया। इसके बाद 22 फरवरी 2025 को एक कथित इकरारनामा भी निष्पादित किया गया।शिकायत के अनुसार, प्रार्थीगण ने उक्त स्थान पर लगभग 1.5 करोड़ रुपये का निवेश कर अस्थायी लोहे का स्ट्रक्चर, मशीनरी और अन्य सामान स्थापित कर कार्य शुरू कर दिया। साथ ही आरोपी को 3 लाख रुपये सिक्योरिटी और 1 लाख रुपये अग्रिम किराए के रूप में कुल 4 लाख रुपये नकद दिए गए।

मामले का खुलासा तब हुआ जब आरडीए के सचिव डॉ. प्रवीण जैन को जयपुर विकास प्राधिकरण (खऊ्र) की ओर से नोटिस प्राप्त हुआ, जिसमें कहा गया था कि उक्त भूखंड संस्थागत श्रेणी का है और वहां किसी भी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधि की अनुमति नहीं है। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि जमीन का उपयोग नियमों के विपरीत किया जा रहा था।इसके बाद जब आरडीए के प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे, तो पता चला कि अरुण कुसुंबीवाल ने न तो सोसायटी से कोई अधिकृत अनुमति ली थी और न ही उसे भूमि किराए पर देने का अधिकार था। आरोप है कि उसने फर्जी सील और मोहर बनाकर कूटरचित इकरारनामा तैयार किया और खुद को सोसायटी का अधिकृत प्रतिनिधि बताकर यह पूरा लेनदेन किया।शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि आरोपी ने न केवल फर्जी दस्तावेजों के जरिए धोखाधड़ी की, बल्कि आपराधिक धमकी भी दी। दो एफआईआर (0892/2025) (0342/2026) शिवदासपुरा थाना के अंतर्गत दर्ज होने के बावजूद अभी तक पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की...जांच की जिम्मेदारी उपनिरीक्षक धर्मसिंह को सौंपी गई।

आपदा प्रबंधन को लेकर जिला प्रशासन सतर्क

एयर स्ट्राइक पर आधारित वृहद मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक संपन्न

चमकता राजस्थान

ब्यावर। जिले में आपात परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखने एवं आमजन में सजगता बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को एक वृहद मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। इस दौरान राजकीय सनातन धर्म महाविद्यालय, ब्यावर में एयर स्ट्राइक की परिकल्पना पर आधारित अभ्यास किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों ने समन्वित रूप से भाग लिया।

● सायरन से हुआ अभ्यास का आगाज़

जिला कलेक्टर कमल राम मीना ने बताया कि सायं 7:00 बजे सायरन बजाकर मॉक ड्रिल की शुरुआत की गई। आमजन ने अनुशासन और संयम का परिचय देते हुए सक्रिय भागीदारी निभाई, जो उनकी जागरूकता और सतर्कता को दर्शाता है।

● एयर स्ट्राइक परिदृश्य का प्रदर्शन

अभ्यास के दौरान सनातन धर्म महाविद्यालय परिसर में ड्रोन जैसा उड़ता हुआ एक ऑब्जेक्ट प्रदर्शित किया गया, जिससे बम गिराए जाने की परिकल्पना के आधार पर आपात स्थिति निर्मित की गई।

● प्रशासन की त्वरित प्रतिक्रिया परखी गई

मॉक ड्रिल के माध्यम से पूर्व तैयारियों का मूल्यांकन करते हुए कमियों की पहचान कर उन्हें दूर करने का प्रयास किया गया। जिला प्रशासन, पुलिस, एटीएस एवं एसओजी टीमों ने एयर स्ट्राइक जैसी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रभावी रिस्पांस टाइम का प्रदर्शन किया।

● संयुक्त कार्यवाही का सजीव प्रदर्शन

अभ्यास के दौरान मेडिकल टीम, फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस सेवाएं, एनसीसी, स्काउट सहित विभिन्न एजेंसियों ने समन्वित कार्यवाही करते हुए राहत एवं बचाव कार्यों का प्रभावी प्रदर्शन किया। घायलों को तत्काल अस्थायी चिकित्सालय पहुंचाकर प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया तथा गंभीर घायलों को ईएसआई अस्पताल में रेफर कर वहां तक सुरक्षित पहुंचाने की ड्रिल भी की गई।

● ब्लैकआउट अभ्यास भी सफल

मॉक ड्रिल के अंतर्गत रात्रि 8:00 बजे से 8:20 बजे तक ओ.के. प्लस रेजिडेंसी एवं आसपास के क्षेत्रों में ब्लैकआउट अभ्यास आयोजित किया गया। इस दौरान लगभग 8:10 बजे प्रभावी ब्लैकआउट देखने को मिला। नागरिकों ने स्वयं की इच्छा से लाइट बंद कर सहयोग दिया, जिससे ब्लैकआउट अभ्यास पूर्णतः सफल रहा।

● वरिष्ठ अधिकारियों ने की निगरानी

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रतन सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर ब्रह्म लाल जाट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र शर्मा, तहसीलदार हनुत सिंह सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे तथा संपूर्ण अभ्यास की मॉनिटरिंग की।

● आभार एवं अपील

जिला प्रशासन ने मॉक ड्रिल में सहयोग करने वाले सभी विभागों, संगठनों एवं नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सजग रहकर प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है।

संक्षिप्त खबरें

ला लीगा 2025-26: बेटिस ने रियल मैड्रिड को 1-1 से रोका, बार्सिलोना खिताब के करीब

सेविल। ला लीगा 2025-26 में रियल मैड्रिड को रियल बेटिस के खिलाफ शुक्रवार रात 1-1 से ड्रॉ खेलना पड़ा, जिससे उसकी खिताबी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। मुकाबले के अंतिम क्षणों में हेक्टर बेल्लेरिन के गोल ने रियल मैड्रिड से जीत छीन ली।मैच के 17वें मिनट में रियल मैड्रिड ने बढ़त बनाई। फेडेरिको वाल्वरडे के दूर से लगाए गए शॉट को बेटिस के गोलकीपर अल्वारो वायेस ठीक से नहीं रोक पाए और गेंद विनीसियस जूनियर के पास पहुंची, जिन्होंने शानदार फिनिश करते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद जूड बेलिंगहैम के पास बढ़त दोगुनी करने का मौका था, लेकिन वह चूक गए। पहले हाफ के अंत तक बेटिस ने वापसी की कोशिश की, लेकिन रियल के गोलकीपर आंद्रे लुनिन ने कई बेहतरीन बचाव कर टीम को बढ़त दिलाए रखी। दूसरे हाफ में रियल मैड्रिड ने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन कई मौके गंवा दिए। किलियन एम्बाप्पे का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्होंने ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड के पास पर आसान मौका गंवाया, वहीं उनका एक गोल ऑफसाइड करार दिया गया।लुनिन ने 65वें मिनट में कुचो हर्नांडेज के खिलाफ शानदार एक हाथ से बचाव किया और फिर नातान के शॉट को भी रोका। विनीसियस जूनियर भी एक आसान मौका गंवा बैठे, जिससे रियल बढ़त को सुरक्षित नहीं कर सका।

स्लैपगेट विवाद पर श्रीसंत का पलटवार, हरभजन पर लगाया पैसे कमाने का आरोप

नई दिल्ली । साल 2008 के कुख्यात स्लैपगेट विवाद का भूत एक बार फिर इंडियन प्रीमियर लीग का पीछा कर रहा है। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने अपने पुराने साथी और दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। श्रीसंत ने दावा किया है कि हरभजन ने उस घटना से व्यावसायिक लाभ उठाया, जिसने टूर्नामेंट के पहले सीजन को बड़े विवादों में डाल दिया था।

करीब दो दशक बाद, स्लैपगेट घटना के बाद श्रीसंत ने हाल ही में एक विज्ञापन को लेकर हरभजन सिंह की सार्वजनिक रूप से आलोचना की है, जिसमें उनके पुराने विवाद का जिक्र किया गया था। पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि समय के साथ उनके बीच का तनाव कम हो गया था, लेकिन उस घटना को व्यावसायिक रूप में बदलने के हरभजन के फैसले ने उनकी सोच पूरी तरह बदल दी है। यह विवाद 2008 में आईपीएल के पहले सीजन के दौरान किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) और मुंबई इंडियंस के बीच एक मैच के बाद हुआ था, जब हरभजन ने श्रीसंत को थप्पड़ मार दिया था। मैच के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच हुई इस झड़प ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था, और श्रीसंत की परेशान तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं, जिसके बाद अनुशासनात्मक कार्रवाई हुई थी।

टी20 मुंबई लीग: सूर्यकुमार, श्रेयस और शिवम दुबे समेत स्टार खिलाड़ियों को रिटेन किया गया

एजेंसी

मुंबई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने टी20 मुंबई लीग 2026 से पहले रिटेन खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है, जिसमें भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर और शिवम दुबे जैसे बड़े नाम शामिल हैं। लीग के चौथे सीजन से पहले सभी आठ टीमों ने तीन-तीन खिलाड़ियों को रिटेन किया है। इस बार आइकन खिलाड़ियों की सूची में सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे के अलावा यशस्वी जायसवाल, तुषार देशपांडे, अजिंक्य रहाणे, सरफराज खान और शार्दुल ठाकुर को शामिल किया गया है। वहीं अंडर-19 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान आयुष म्हात्रे को भी रिटेन किया गया है।

एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह सभी फ्रेंचाइजियों की मजबूत मंशा को दर्शाता है। भारतीय क्रिकेट के बड़े नामों का रिटेन होना इस लीग की विश्वसनीयता और स्तर को दिखाता है। साथ ही युवा खिलाड़ियों को इन अनुभवी सितारों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा

करने का मौका मिलेगा, जो उनके विकास के लिए बेहद अहम है। इस मजबूत कोर के साथ हमें एक बेहद प्रतिस्पर्धी और उच्च स्तर का सीजन देखने को मिलेगा।

रिटेंशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब सभी की नजर आगामी प्लेयर ऑक्शन पर है, जहां टीमें अपने स्क्वॉड को और मजबूत करने की कोशिश करेंगी।

टी20 मुंबई लीग 2026 के लिए रिटेन खिलाड़ी इस प्रकार हैं

आकाश टाइगर्स मुंबई वेस्टर्न सबर्ब्स: सरफराज खान (आइकन खिलाड़ी), शम्स मुलानी, जय बिस्ता

एआरसीएस अंधेरी: शिवम दुबे (आइकन खिलाड़ी), प्रग्नेश कानपिल्लेवार, दीपक शेट्टी

बांद्रा ब्लास्टर्स: यशस्वी जायसवाल (आइकन खिलाड़ी), सुवेद पारकर, धुमिल मटकर।

मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स: तुषार देशपांडे (आइकन खिलाड़ी), सिद्धेश लाड, रोहन राजे।

नॉर्थ मुंबई पैंथर्स: अजिंक्य रहाणे (आइकन खिलाड़ी), अभिग्यान कुंडू, तनुष कोटियन

सोबो मुंबई फाल्कंस: श्रेयस अय्यर (आइकन खिलाड़ी), अंगकृष रघुवंशी, हर्ष अघाव

ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स: शार्दुल ठाकुर (आइकन खिलाड़ी), अथर्व अंकलेकर, साईराज पाटिल

ट्रायम्फ नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्ट: सूर्यकुमार यादव (आइकन खिलाड़ी), आयुष म्हात्रे, सूर्यांश शेडगे।

अभिषेक शर्मा की वृंदावन में चप्पल चोरी, भड़के भारतीय बल्लेबाज

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से गेंदबाजों के छक्के छुड़ा रहे सनराइजर्स हैदराबाद के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा के साथ वृंदावन में एक अजीबोगरीब घटना हो गई। अपनी मां के साथ बांके बिहारी मंदिर दर्शन करने गए अभिषेक की चप्पलें मंदिर परिसर से गायब हो गईं, जिससे वह काफी नाराज और परेशान नजर आए। यह घटना एक प्रशंसक द्वारा बनाए गए वीडियो के माध्यम से सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह वीडियो इसी आईपीएल सीजन का है या पहले का।

जानकारी के अनुसार, अभिषेक शर्मा अपनी मां के साथ भगवान बांके बिहारी जी के दर्शन करने पहुंचे थे। जब वह पूजा-अर्चना के बाद मंदिर से बाहर निकले, तो

जहां उन्होंने अपनी चप्पलें उतारी थीं, वे वहां नहीं मिलीं। वीडियो में सनराइजर्स के इस विस्फोटक सलामी बल्लेबाज को मंदिर के बाहर इधर-उधर अपनी चप्पलों की तलाश करते हुए देखा जा सकता है। वीडियो बनाने वाले प्रशंसक ने इसमें पीछे से कमेंट्री करते हुए पूरे वाकये को बयां किया। उसने कहा कि अभिषेक शर्मा और उनकी माताजी की चप्पलें भीड़भाड़ के कारण कहीं इधर-उधर हो गई हैं और लाख तलाशने के बावजूद नहीं मिल रही हैं।

हॉकी खिलाड़ी गुरबक्स सिंह ग्रेवाल का निधन

एजेंसी

नई दिल्ली/चंडीगढ़। भारतीय हॉकी के दिग्गज और 1968 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता गुरबक्स सिंह ग्रेवाल का शुक्रवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। उन्होंने ज़िरकपुर में अंतिम सांस ली।

हॉकी इंडिया ने उनके निधन की पुष्टि की। हॉकी इंडिया के मुताबिक गुरबक्स सिंह ग्रेवाल 1968 मेक्सिको सिटी ओलंपिक में भारतीय टीम का हिस्सा थे, जिसने देश के लिए कांस्य पदक जीता था। वह भारतीय हॉकी इतिहास के उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल रहे, जिन्होंने अपने प्रदर्शन से देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया।

उनकी एक खास उपलब्धि यह भी रही कि उन्होंने उसी ओलंपिक में अपने भाई बलबीर सिंह ग्रेवाल के साथ भारत का प्रतिनिधित्व किया। यह दुर्लभ अवसर था जब दो सगे भाई एक साथ ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा बने।

राइडर कप 2027: टाइगर वुड्स के इंकार के बाद जिम फ्यूरिक बने अमेरिका टीम के कप्तान

एजेंसी

न्यूयॉर्क/लिमरिक। अमेरिका के अनुभवी गोल्फर जिम फ्यूरिक को 2027 राइडर कप के लिए यूएस टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। यह टूर्नामेंट आयरलैंड के लिमरिक स्थित अडारे मैनर में खेला जाएगा। यह फैसला उस समय आया जब दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स ने इस भूमिका को स्वीकार करने से इंकार कर दिया।

55 वर्षीय फ्यूरिक, जो पीजीए टूर पर 17 खिताब जीत चुके हैं, इससे पहले 2018 में पेरिस में भी राइडर कप में अमेरिका के कप्तान रह चुके हैं, जहां टीम को हार का सामना करना पड़ा था। वह कीगन ब्रैडली की जगह इस पद पर आए हैं।

फ्यूरिक अब जैक निकलॉस, टॉम वॉटसन और डेविस लव तृतीय के बाद ऐसे चौथे अमेरिकी कप्तान बन गए हैं जिन्हें दूसरी बार यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

फ्यूरिक ने पीजीए ऑफ अमेरिका की प्रेस विज्ञप्ति में कहा, दूसरी बार यूएस राइडर कप टीम का कप्तान बनना मेरे लिए बहुत बड़ा

सम्मान है। मैं पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं कि खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सही माहौल और रणनीति प्रदान करूं, ताकि हम यूरोपीय जमीन पर कप वापस जीत सकें।

उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वह अपने पिछले अनुभव का उपयोग करते हुए कुछ नए विचारों को भी शामिल करेंगे। गौरतलब है कि अमेरिका ने आखिरी बार 1993 में यूरोप में राइडर कप जीता था।

2018 में मिली हार के बाद फ्यूरिक की कप्तानी पर सवाल उठे थे, खासकर टीम चयन और रणनीति को लेकर। हालांकि, उन्होंने 2024 प्रेसिडेंट्स कप में अमेरिका को लगातार 10वीं जीत दिलाकर अपनी नेतृत्व क्षमता साबित की।

दूसरी ओर, टाइगर वुड्स इस पद के लिए सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे थे, लेकिन उन्होंने हाल ही में एक सड़क दुर्घटना और नशे में ड्राइविंग के आरोप के बाद स्वास्थ्य कारणों से खुद को इस जिम्मेदारी से दूर रखा है। पीजीए ऑफ अमेरिका ने बताया कि वुड्स फिलहाल इलाज पर ध्यान देना चाहते हैं।

यूरोपीय टीम की कप्तानी एक बार फिर ल्यूक डोनाल्ड को सौंपी गई है, जो लगातार तीसरी बार यह जिम्मेदारी निभाएंगे। उनका लक्ष्य अपनी टीम को लगातार तीसरी जीत दिलाना है। 2027 राइडर कप का आयोजन 17 से 19 सितंबर के बीच किया जाएगा, जहां फ्यूरिक की अगुवाई में अमेरिकी टीम यूरोप में जीत का सूखा खत्म करने की कोशिश करेगी।

कोहली-पडिक्कल की तूफानी साझेदारी पर बोले क्रुणाल-

दोनों की बल्लेबाजी अविश्वसनीय

एजेंसी

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। 200 से अधिक रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की जीत की नींव विराट कोहली (44 गेंदों पर 81 रन) और देवदत्त पडिक्कल (27 गेंदों पर 55 रन) की बेहतरीन साझेदारी ने रखी।

दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 59 गेंदों में 115 रन जोड़कर मैच का रुख पूरी तरह आरसीबी के पक्ष में कर दिया। इसके बाद क्रुणाल पांड्या ने 12 गेंदों पर 23 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई।

मैच के बाद क्रुणाल पांड्या ने कहा, 200 से ऊपर का लक्ष्य हमेशा मुश्किल होता है क्योंकि आपको लगभग 10 रन प्रति ओवर की दर से खेलना पड़ता है। विराट और देव ने जिस तरह बल्लेबाजी की, उनके कुछ शॉट्स अविश्वसनीय थे। मुझे खुशी है कि मैं टीम के लिए योगदान दे सका और मैच खत्म कर

पाया, दो अंक हासिल करने से बेहतर कुछ नहीं।

आरसीबी के गेंदबाजों ने भी अंतिम ओवरों में शानदार वापसी करते हुए गुजरात टाइटंस को 200 के आसपास ही रोक दिया, जबकि एक समय टीम 170 के करीब मजबूत स्थिति में दिख रही थी।

क्रुणाल ने आगे कहा, पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी, लेकिन जिस स्थिति से हमने उन्हें 205 तक रोका, वह शानदार प्रयास था।

आईपीएल 2026: विराट कोहली के सिर फिर सजी ऑरेंज कैप

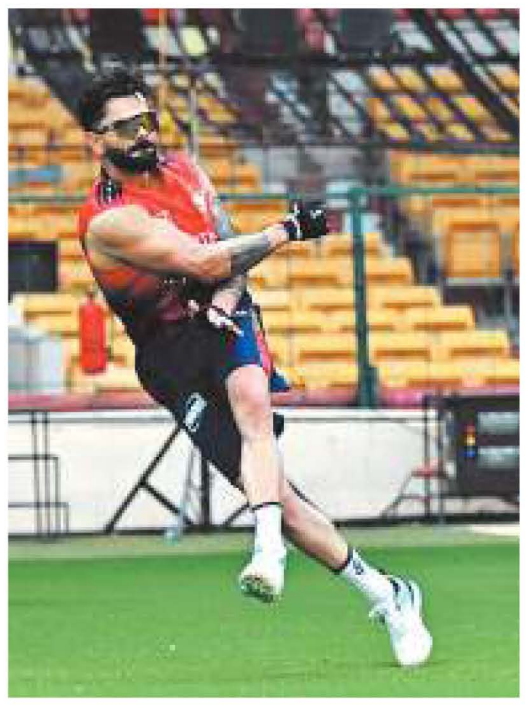

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की गुजरात टाइटंस पर पांच विकेट की जीत के बाद ऑरेंज कैप की दौड़ में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। इस मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के दम पर विराट कोहली एक बार फिर शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं।

206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली ने ओपनिंग करते हुए 44 गेंदों में 81 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने 14वें ओवर तक बल्लेबाजी करते हुए टीम की जीत की मजबूत नींव रखी और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। इस पारी के साथ कोहली अब 7 पारियों में 328 रन बनाकर ऑरेंज कैप की सूची में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा (323 रन) को पीछे छोड़ा।

तीसरे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन (320 रन) हैं, जबकि गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल 297 रन के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। गिल ने इस मैच में 24 गेंदों पर 32 रन बनाए, जिससे वह चेन्नई सुपर किंग्स के संजू सैमसन को पीछे छोड़ते हुए ऊपर आ गए। आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार भी इस मुकाबले के बाद सूची में आगे बढ़े हैं। हालांकि उन्होंने इस मैच में सिर्फ 8 रन बनाए, लेकिन कुल 238 रन के साथ वह ईशान किशन के बराबर पहुंच गए हैं। स्ट्राइक रेट के आधार पर पाटीदार आठवें और किशन नौवें स्थान पर हैं। वहीं गुजरात के बी साई सुदर्शन ने 58 गेंदों में शतक जड़कर सीजन का पांचवां शतक बनाया और शीर्ष-10 में जगह बना ली। पर्पल कैप की दौड़ में इस मैच का ज्यादा असर नहीं पड़ा, क्योंकि मुकाबले में कुल आठ विकेट ही गिरे। गुजरात के प्रसिद्ध कृष्णा 12 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर बने हुए हैं और सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान मलिंगा के साथ संयुक्त रूप से इस स्थान पर हैं। शीर्ष पर चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज और लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव काबिज हैं।

इस बीच भुवनेश्वर कुमार ने जोस बटलर का विकेट लेकर अपने विकेटों की संख्या 11 तक पहुंचा दी है। वह अब राजस्थान रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर और रवि बिश्नोई के साथ संयुक्त रूप से अगले स्थान पर हैं।

व्यापार

उतार-चढ़ाव की सुनामी, सेंसेक्स और निफ्टी 2.5 फीसदी से नीचे लुढ़के

- अमेरिका-ईरान वार्ता में गतिरोध और 100 डॉलर के पार कच्चे तेल ने बाजार पर डाला दबाव

एजेंसी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह बेहद निराशाजनक रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों में 2 से 2.5 फीसदी तक की भारी गिरावट दर्ज की गई। कच्चे तेल की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल और अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत में देर या गतिरोध ने वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव को हवा दी, जिसका सीधा असर निवेशकों के सेंटिमेंट पर पड़ा। पूरे हफ्ते बाजार भारी उतार-चढ़ाव से जूझता रहा, लेकिन अंततः लाल निशान पर बंद होकर निवेशकों के लाखों करोड़ रुपये को बहा ले गया। सोमवार को बाजार ने अस्थिर शुरूआत की। पहले प्री-ओपनिंग की बढ़त गंवाकर सेंसेक्स में 200 अंक से अधिक की गिरावट आई और निफ्टी 24,300 से नीचे पहुंच गया। इस दौरान एचडीएफसी बैंक और आरआईएल ने बाजार पर सबसे ज्यादा दबाव डाला। हालांकि, बाद में खरीदारी लौटने से बेंचमार्क

सूचकांक हरे निशान पर लौट आए और मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। भू-राजनीतिक चुनौतियों और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बावजूद सेंसेक्स 26.76 अंक और निफ्टी 11.30 अंक बढ़कर बंद हुए। मंगलवार को भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद बाजार में जोरदार तेजी दिखी। अमेरिका-ईरान वार्ता की खबरों और ब्रेंट क्रूड के 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने की उम्मीद ने निवेशकों के सेंटिमेंट को बढ़ावा दिया। सेंसेक्स 753.03 अंक चढ़कर 79,273.33 पर और निफ्टी 211.75 अंक बढ़कर 24,576.60 पर बंद हुआ, जिसमें अदाणी पोर्ट्स और आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयर दो फीसदी तक चढ़े।

एलपीजी सिलेंडर संकट गहराया: देशभर में डिलीवरी में भारी देरी, उपभोक्ता परेशान

बुकिंग नियमों की अस्पष्टता और बढ़ती मांग ने बढ़ाई मुश्किलें

नई दिल्ली। देशभर में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत और डिलीवरी में देरी ने उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित कई राज्यों में लोग समय पर गैस न मिलने से परेशान हैं, जबकि बुकिंग नियमों की अस्पष्टता और शादी के सीजन की बढ़ती मांग ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। सरकार की कोशिशों के बावजूद सोशल मीडिया पर भी उपभोक्ताओं की नाराजगी साफ दिख रही है। सरकार ने शहरी क्षेत्रों में सिलेंडर बुकिंग के लिए 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन की समय-सीमा तय की है। हालांकि, गैस कंपनियां अगली बुकिंग की तारीख को सप्लाई की तारीख से जोड़ रही हैं, जिससे उपभोक्ताओं को 7-10 दिन का अतिरिक्त इंतजार करना पड़ रहा है। इस प्रक्रिया ने डिलीवरी को और धीमा कर दिया है। उत्तर प्रदेश के रायबरेली, बस्ती, कानपुर और प्रयागराज जैसे जिलों में सिलेंडर की भारी किल्लत और डिलीवरी में देरी की शिकायतें आम हैं। शादी के सीजन के कारण कॉमर्शियल

सिलेंडरों की मांग तेजी से बढ़ी है, लेकिन आपूर्ति सीमित है। प्रयागराज में कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत सुरक्षा राशि सहित 4,600 रुपये से अधिक हो गई है। बिहार के पटना सहित कई इलाकों में बड़ी संख्या में बुकिंग लंबित हैं, जिसके मद्देनजर कुछ जगहों पर राशन दुकानों के माध्यम से कोयले की आपूर्ति शुरू की गई है। मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच गैस की कमी ने हालात बदतर कर दिए हैं। भोपाल में लोग घंटों लाइनों में खड़े रहने को मजबूर हैं, जबकि मैहर में विरोध प्रदर्शनों के चलते सड़कों को जाम कर दिया गया। राजस्थान में शादियों के लिए सिलेंडर लेने हेतु आवेदन के साथ शादी का कार्ड जमा करने जैसी अतिरिक्त औपचारिकताएं लागू की गई हैं, साथ ही लकड़ी और कोयले के इस्तेमाल की सलाह भी दी जा रही है।

कच्चे तेल में उबाल, कई शहरों में महंगा हुआ पेट्रोल-डीजल

- होरमुज तनाव से ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर पार, नोएडा, गुरुग्राम व पटना में बढ़ी कीमतें

नई दिल्ली । होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतें फिर उछल गई हैं। ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है, जिसका असर भारत के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर दिखने लगा है। शनिवार को जारी नई कीमतों के अनुसार नोएडा में पेट्रोल 2 पैसे महंगा होकर 94.90 रुपए और डीजल 3 पैसे चढ़कर 88.01 रुपए प्रति लीटर हो गया। गुरुग्राम में पेट्रोल 52 पैसे बढ़कर 95.65 रुपए और डीजल 50 पैसे बढ़कर 88.10 रुपए लीटर पर पहुंच गया। वहीं पटना में भी पेट्रोल 11 पैसे (105.59 रुपए) और डीजल 10 पैसे (91.82 रुपए) महंगा हुआ है। हालांकि, देश के प्रमुख महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में पेट्रोल-डीजल के दाम फिलहाल स्थिर बने हुए हैं। वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड 105.30 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 94.40 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

नीति आयोग के नवनियुक्त उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली। नीति आयोग के नवनियुक्त उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर लाहिड़ी से मुलाकात की तस्वीर साझा कर बधाई देते हुए कहा कि अर्थशास्त्र और सार्वजनिक नीति में उनका व्यापक अनुभव भारत के सुधारों की दिशा और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को मजबूत करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि लाहिड़ी के प्रयास देश में नीति-निर्माण को और अधिक गतिशील बनाएंगे। सरकारी अधिसूचना के अनुसार वरिष्ठ अर्थशास्त्री लाहिड़ी को शुक्रवार को नीति आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके साथ ही आयोग की नई पूर्णकालिक टीम की भी घोषणा की गई है। नई टीम में राजीव गौबा, प्रो. केवी राजू, प्रो. गोबर्धन दास, प्रो. अभय करंदीकर और डॉ. एम. श्रीनिवास को पूर्णकालिक सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री ने सभी नवनियुक्त सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नीति आयोग भारत की नीति-निर्माण संरचना का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है, जो सहकारी संघवाद, सुधारों और 'ईज ऑफ लिविंग' को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रहा है। इस बीच प्रो. गोबर्धन दास ने सोशल मीडिया पर अपनी नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए इसे अपने जीवन का महत्वपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि एक साधारण किसान परिवार से आने के बावजूद उन्हें देश की सेवा का अवसर मिला है, जो उनके लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी उनकी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए उनके योगदान की सराहना की और कहा कि पब्लिक हेल्थ, विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में उनका कार्य देश के लिए प्रेरणादायक है।

गाजीपुर घटना में दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई और घटना की उच्चस्तरीय जांच हो : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में एक महिला के साथ बलात्कार और हत्या मामले में राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दोषी पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई, पीड़ित परिवार को सुरक्षा और घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हाथरस, कठुआ, उन्नाव और अब गाजीपुर की घटनाओं को एक पैटर्न बताते हुए कहा कि हर बार पीड़िता दलित, पिछड़ी, आदिवासी या गरीब होती है और अपराधियों को संरक्षण मिलता है। उन्होंने मणिपुर की घटना का भी उल्लेख किया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सत्ता हर बार चुप रहती है और जिनसे बोलने की उम्मीद होती है, वे मौन रहते हैं। जिस देश में माता-पिता को अपनी बेटी की एफआईआर लिखवाने के लिए भीख मांगनी पड़े, उस सरकार को सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

पुलिस रिमांड के बाद सांसद अमृतपाल सिंह को डिब्रूगढ़ जेल वापस भेजा गया

डिब्रूगढ़ (असम)। 'वारिस पंजाब दे' के प्रमुख और खडूर साहिब के सांसद अमृतपाल सिंह को शनिवार को डिब्रूगढ़ पुलिस स्टेशन में दो दिन की पुलिस रिमांड पूरी होने के बाद डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल पुनः भेज दिया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून/राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत उनकी हिरासत की अवधि खत्म होने के बाद पंजाब पुलिस द्वारा उन्हें दोबारा गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद, शुक्रवार को सांसद को एक स्थानीय अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। यह मामला फरवरी, 2024 में जेल की एनएसए सेल से कुछ गैर-कानूनी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद होने से जुड़ा है। यह कार्यवाही ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास चंदन सैकिया के सामने हुई, जिसमें सिंह को कड़ी सुरक्षा के बीच पुलिस स्टेशन से पेश किया गया। उनके नौ साथी, जिन्हें पहले डिब्रूगढ़ में उनके साथ रखा गया था और बाद में पंजाब की जेलों में भेज दिया गया था, उन्हें भी एक साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गोइंदवाल, बठिंडा और पटियाला जेलों से पेश किया गया।

नेपाल में सत्तारूढ़ दल के 5 सांसद धरने पर बैठे

काठमांडू। नेपाल की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) के सांसद खगेन्द्र सुनार और समेत पांच सांसद पिछले 12 घंटे से सिंधुली जिला प्रशासन कार्यालय के गेट पर धरने पर बैठे हैं। वे शुक्रवार शाम से 22 वर्षीय श्रीकृष्ण बीके के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं, जिनकी पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। श्रीकृष्ण बीके सिंधुली के सुनकोशी ग्रामीण नगरपालिका-3, जुम्ले डाँडा के निवासी थे। धरने में आरएसपी सांसद खगेन्द्र सुनार, रीमा विश्वकर्मा, सुष्मा स्वर्णकार, खिमा विश्वकर्मा और आशीष गजुरेल के साथ बुद्धिजीवी और जुम्ले डाँडा के कुछ स्थानीय लोग भी शामिल हैं।

कैंसर से बचाव के लिए जन जागरूकता अभियान चलाएं : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

जयपुर। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि कैंसर से लड़ने और विजय प्राप्त करने के लिए मस्तिष्क से मजबूत रहना जरूरी है। उन्होंने कैंसर से बचाव के लिए विशेष रूप से युवाओं से नशीले पदार्थों और तंबाकू आदि से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कैंसर से बचाव के लिए व्यापक स्तर पर जन जागरूकता अभियान चलाए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कैंसर उपचार के अंतर्गत कीमोथेरेपी जैसी कठिन उपचार विधि के स्थान पर नवीनतम चिकित्सा अनुसंधानों में टैबलेट के जरिए उपचार की पहल उत्साहजनक है।

उपराष्ट्रपति शनिवार को महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में कैंसर सरवाइवर्स डे के अवसर पर कैंसर सोसाइटी द्वारा आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शुद्ध पानी की उपलब्धता सबके लिए आवश्यक है। प्रतिवर्ष कैंसर के रोगी बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत कैंसर के उपचार के तहत कैंसर रोगियों को प्रति वर्ष पांच लाख तक का निःशुल्क इलाज मिलता है। इसमें सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी जैसे प्रमुख कैंसर उपचार शामिल हैं। यह योजना देशभर के सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों में ब्रेस्ट, फेफड़े और मुंह के कैंसर सहित अन्य

प्रकारों के इलाज को कवर करती है। गरीब मरीजों के इलाज के लिए एकमुश्त 15 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है। यह बहुत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत भी ग्रामीण क्षेत्रों में 75 प्रतिशत राशि का व्यय कैंसर बचाव के लिए किया जा रहा है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर इस समय देश में द्वितीय सबसे अधिक होने वाला कैंसर है। इसके बचाव के लिए वेक्सिनेशन के साथ उपचार के लिए कारगर प्रयासों की पहल केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा की गई है। राजस्थान कैंसर से लड़कर उससे मुक्त होने वालों में अग्रणी है। जो लोग कैंसर से लड़कर आज यहां उपस्थित हैं, वे प्रेरणा देने वाले हैं।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि जिस तरह से टीबी मुक्त अभियान चलाकर उससे मुक्ति के प्रभावी प्रयास हुए हैं, उसी तरह कैंसर मुक्त राजस्थान अभियान चलाकर प्रभावी प्रयास किए जाने की जरूरत है। बागड़े ने कहा कि तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट वालों को कैंसर अधिक होता है। इसलिए इनसे बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक वातावरण जीवन को ऊर्जा देता है। जल में घुलने वाले केमिकल, खेती में रसायनिक उर्वरकों के उत्पादों से कैंसर होता है। इसलिए आमजन को शुद्ध पानी, केमिकल मुक्त उत्पाद कैसे मिले, इस पर अधिकाधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि कैंसर जागरूकता के लिए प्रभावी प्रयास जरूरी है। उन्होंने राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

इससे पहले उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन, राज्यपाल बागडे तथा चिकित्सा मंत्री खींवसर ने कैंसर सर्वाइवर से संबंधित फिल्म का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद डॉ. राधामोहन अग्रवाल एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

गुवाहाटी हाईकोर्ट के फैसले के बाद कांग्रेस ने कहा–

पूरी पार्टी पवन खेड़ा के साथ, सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने गुवाहाटी हाईकोर्ट द्वारा कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद पवन खेड़ा का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पवन खेड़ा के साथ मजबूती से खड़ी है और हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की प्रक्रिया चल रही है।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कांग्रेस को विश्वास है कि धमकी, डराने-धमकाने और उत्पीड़न की राजनीति पर न्याय की जीत होगी।

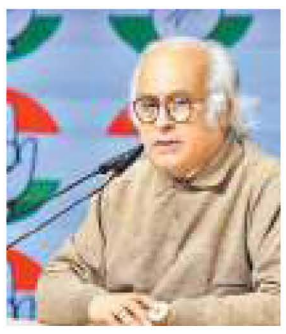

गुवाहाटी हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। यह मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा द्वारा दर्ज कराए गए आपराधिक मामले से जुड़ा है।

पवन खेड़ा ने 5 अप्रैल को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रिनिकी भुइयां सरमा पर कई पासपोर्ट रखने और विदेश में संपत्तियां होने का आरोप लगाया था। इसके बाद उन्होंने गुवाहाटी क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में पवन खेड़ा और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

इसके बाद 7 अप्रैल को असम पुलिस ने दिल्ली स्थित पवन खेड़ा के घर पर छापेमारी की। 10 अप्रैल को तेलंगाना हाईकोर्ट ने उन्हें एक सप्ताह की अग्रिम जमानत दी, लेकिन 15 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने उस फैसले पर रोक लगा दी। 21 अप्रैल को गुवाहाटी हाईकोर्ट ने सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रखा और 24 अप्रैल को अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी।

तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल में मतदान दस्तावेजों की जांच पूरी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने तमिलनाडु की सभी सीटों और पश्चिम बंगाल में प्रथम चरण के मतदान के बाद फॉर्म 17ए (मतदाता रजिस्टर) एवं अन्य चुनावी दस्तावेजों की जांच पूरी करने के बाद कहा है कि किसी भी केंद्र पर पुनर्मतदान की सिफारिश नहीं की गयी है। चुनाव आयोग ने शनिवार को एक बयान में कहा कि यह प्रक्रिया 24 अप्रैल को दोनों राज्यों में निर्वाचित अधिकारियों की देखरेख में और पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में पूरी कर ली गई। पश्चिम बंगाल की 152 विधानसभा सीटों पर हुए मतदान के बाद 1,478 उम्मीदवारों को जांच की तारीख, समय और स्थान की जानकारी दी गई थी। जांच में 600 से अधिक उम्मीदवारों या उनके प्रतिनिधियों ने भाग लिया। 44,376 मतदान केंद्रों की जांच के बाद किसी भी केंद्र पर पुनर्मतदान की सिफारिश नहीं की गई। तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीटों पर हुए मतदान के बाद 4,023 उम्मीदवारों को जांच प्रक्रिया में शामिल होने के लिए सूचित किया गया था।

संजय सिंह ने केजरीवाल के आवास की तस्वीरों को बताया फर्जी और बेबुनियाद

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा अरविंद केजरीवाल की जारी कथित तस्वीरों को 'फर्जी और बेबुनियाद' बताया। उन्होंने कहा कि जो तस्वीरें केजरीवाल के आवास से जुड़ी बताई जा रही हैं, जो फर्जी हैं।

संजय सिंह ने पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि भाजपा द्वारा जारी की गई सभी तस्वीरें झूठी हैं और इनका मकसद केजरीवाल की छवि खराब करना है। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार या कोई भी टीवी चैनल यदि ऐसी तस्वीरें प्रसारित करता है तो आआपा उसके खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराएगी।

सिंह ने मांग की कि उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और मंत्रियों के आवास भी जनता के लिए खोले जाएं, साथ ही

● मानहानि का केस करने की चेतावनी

केजरीवाल का घर भी जनता के लिए खोला जाए, ताकि लोग खुद जाकर सच्चाई देख सकें और फैसला कर सकें कि किसका आवास कितना भव्य है।

सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा की झूठी खबरें फैलाने की पुरानी राजनीति चल रही है। उन्होंने गुजरात में भी आआपा के नेताओं और उम्मीदवारों पर फर्जी मुकदमे दर्ज कराने और पार्टी के सोशल मीडिया पेज सस्पेंड करवाने का आरोप लगाया। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि जारी की गई तस्वीरें केजरीवाल के घर की नहीं हैं और वे पूरी तरह से फर्जी हैं।

असम में सात करोड़ की हेरोइन बरामद, चार महिला समेत पांच लोग गिरफ्तार

एजेंसी

गुवाहाटी। असम में कामरूप जिले के अमीनगांव में पुलिस ने खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए लगभग 7 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ के साथ चार महिलाओं समेत पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस पांचों तस्करों से गहन पूछताछ कर रही है।

असम पुलिस मुख्यालय के सीपीआरओ ने शनिवार को बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस ने मणिपुर के चुराचांदपुर निवासी मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल डेमथांग हाओकिप (36) को उसके अन्य चार महिला तस्करों के साथ अमीनगांव में गिरफ्तार किया। चारों महिला अमीनगांव में नशीले पदार्थों की डिलीवरी करने पहुंची थी, जहां से उसे निचले असम के विभिन्न ज़िलों में भेजा जाना था।

महिला मादक पदार्थ तस्करों के कब्जे से हेरोइन भरे प्लास्टिक के 62 साबुनदानी बरामद किए गए। हेरोइन का वजन (बिना साबुनदानी के) 837 ग्राम पाया गया। नशीले पदार्थ की अनुमानित बाजार कीमत 7 करोड़ रुपये आंकी गयी है।

गिरफ्तार महिला तस्करों की पहचान लाम नेइकिम (25, चुराचांदपुर, मणिपुर), होइनेइगाह (24, चुराचांदपुर, मणिपुर), किम नेइथेन (36, चुराचांदपुर, मणिपुर) और नगाह पी (30, चुराचांदपुर, मणिपुर) के रूप में की गयी है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच जारी रखे हुए है।

कैट ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक मामले में डाटा सुरक्षा जांच की मांग

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड का लाइसेंस रद्द करने के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे जनहित में उठाया गया एक निर्णायक कदम बताया है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने शनिवार को एक बयान में कहा कि यह निर्णय बार-बार नियामकीय नियमों की अनदेखी, प्रबंधन संबंधी विफलताओं और आरबीआई के निदेशों की अवहेलना की गंभीरता को दशार्ता है। वर्ष 2024 में भी बैंकिंग गतिविधियों पर बड़े प्रतिबंध लगाए गए थे, लेकिन सुधार के अवसरों के बावजूद संस्था अपेक्षित बदलाव करने में विफल रही। उन्होंने जमाकर्ताओं को लेकर आरबीआई द्वारा दिए गए आश्वासन की सराहना करते हुए कहा कि ग्राहकों का धन सुरक्षित है और उन्हें नियमानुसार वापस मिलेगा। यह भरोसा विशेष रूप से छोटे व्यापारियों, दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी वालों और महिला उद्यमियों के लिए महत्वपूर्ण है, जो डिजिटल लेनदेन के लिए बड़े पैमाने पर पेटीएम का उपयोग करते रहे हैं। कैट ने कहा कि किसी भी नियामकीय कार्रवाई से सूक्ष्म और छोटे व्यापारियों को असुविधा हो सकती है, इसलिए अधिकारियों को सुचारु संक्रमण व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि लेनदेन प्रभावित न हो।

उत्तर प्रदेश 2027 का चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़ेंगे : रामदास आठवले

एजेंसी

लखनऊ। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री डॉ. रामदास आठवले ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर कहा कि उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। आठवले ने कहा कि वह उप्र में ब्लाक स्तर पर मजबूत संगठन तैयार कर रहे हैं, जिससे आने वाले चुनाव में जनता की आवाज को प्रभावी तरीके से उठाया जा सके।

आठवले ने लखनऊ में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वह केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार में महत्वपूर्ण घटक दल है। उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया उत्तर प्रदेश में भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। इसके लिए उन्होंने 25 सीटों पर गठबंधन में चुनाव लड़ने की इच्छा जताई। हालांकि साथ ही यह भी कहा कि अगर उनकी यह मांग पूरी नहीं होती है तो पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में दलित बाहुल्य सीटों पर पार्टी की मजबूत दावेदारी है। आठवले ने महिला आरक्षण पर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस को विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि यह दोनों पार्टी महिला विरोधी हैं और महिलाओं के विकास में बाधा पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सत्ता में रही, अब उनकी एक सीट मात्र है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आठवले ने दलित बाहुल्य गांव में समाज भवन बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि समाज भवन बनकर उनका संचालन की जिम्मेदारी दलितों को दी जाए। उनके साथ इस मौके पर आरपीआई के प्रदेश अध्यक्ष पवन गुप्ता भी मौजूद रहे। पवन गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष से मिलकर मांग पत्र देंगे।

बंगाल में बनेगी भाजपा सरकार

इस दौरान केंद्रीय मंत्री आठवले ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने का दावा किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में इस बार ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की गुण्डागर्दी नहीं चल पाई। इस बार बंपर मतदान हो रहा है। हमारा अनुमान है कि इस बार पश्चिम बंगाल में भाजपा नीत एनडीए की सरकार बनेगी।

केसीआर की बेटी के. कविता ने बनाई नई पार्टी 'तेलंगाना राष्ट्र सेना'

एजेंसी

हैदराबाद। प्रचंड गर्मी के बीच तेलंगाना की राजनीति में शनिवार को बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला, जब पूर्व विधान पार्षद (एमएलसी) कलवकुंतला कविता ने नई राजनीतिक पार्टी तेलंगाना राष्ट्र सेना (टीआरएस) के गठन की घोषणा कर दी। इस फैसले को राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की पुत्री और पूर्व में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की प्रमुख नेता रहीं के. कविता का पार्टी नेतृत्व के साथ लंबे समय से मतभेद चल रहा था। आंतरिक विवादों के चलते उन्हें जून 2025 में पार्टी से निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने एमएलसी

पद और बीआरएस की प्राथमिक सदस्यता दोनों से इस्तीफा दे दिया था।

बीआरएस से अलग होने के सात महीने बाद कविता ने अपनी नई पार्टी के लिए वही नाम टीआरएस चुना है, जिसके साथ उनके पिता ने कभी तेलंगाना राज्य आंदोलन की शुरूआत की थी। इस नाम के चयन को राजनीतिक रूप से बेहद प्रतीकात्मक माना जा रहा है।

के. कविता ने स्पष्ट किया कि उनकी नई पार्टी का मुख्य फोकस तेलंगाना के क्षेत्रीय मुद्दे, सामाजिक न्याय और पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण की मांग होगा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की मूल भावना और जनता की अपेक्षाओं को फिर से केंद्र में लाना उनकी प्राथमिकता है।

अपनी नई पार्टी की शुरूआत से पहले उन्होंने हैदराबाद के गन पार्क स्थित अमरवीर स्तूप पर 1969 के तेलंगाना आंदोलन के शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद हैदराबाद के बाहरी क्षेत्र मुनीराबाद में आयोजित पार्टी लॉन्च कार्यक्रम में उन्होंने मुख्यमंत्री बनने और राज्य में 'नई क्रांति' लाने का संकल्प दोहराया।

अपनी तुलना पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता से की

उन्होंने खुद को जनता की 'अम्मा' बताते हुए कहा कि वह तेलंगाना की मातृत्वपूर्ण नेतृत्वकर्ता बनना चाहती हैं। इस दौरान उन्होंने अपनी तुलना तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता से भी की। अपने संबोधन में कविता ने आत्ममंथन करते हुए कहा कि उन्हें बीआरएस सरकार के कुछ कार्यों पर शर्म महसूस होती है। उन्होंने स्वीकार किया कि वह उस सत्तारूढ़ परिवार का हिस्सा थीं, जिसने पार्टी और प्रशासन दोनों का नेतृत्व किया। हालांकि उन्होंने तेलंगाना राज्य आंदोलन में अपनी भूमिका और अलग राज्य की प्राप्ति पर गर्व भी जताया।

अपनी दिशा से भटक गया तेलंगाना आंदोलन का रथ

उन्होंने कहा कि 'तेलंगाना राष्ट्र सेना' पुरानी गलतियों को सुधारने और राज्य को आंदोलन की मूल आकांक्षाओं से फिर जोड़ने का प्रयास है। उन्होंने 'तेलंगाना जागृति' और अपने व्यक्तिगत योगदान का भी उल्लेख किया। अपने पिता के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाले आंदोलन पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि समय के साथ तेलंगाना आंदोलन का रथ अपनी दिशा से भटक गया और जनता की वास्तविक समस्याओं को पूरी तरह समझने में विफल रहा। उन्होंने कहा, 'तेलंगाना का सामाजिक रथ टुकड़ों में टूट गया है।' राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, के. कविता का यह कदम बीआरएस के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है, क्योंकि यह सीधे तौर पर 'तेलंगाना भावना' और क्षेत्रीय अस्मिता से जुड़ा हुआ है।

दलबदल कानून अपने उद्देश्य में विफल, पुनर्विचार की जरूरत : शांता कुमार

शिमला (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने कहा है कि भारत में जिस भावना के साथ दलबदल कानून बनाया गया था, वह अपने उद्देश्य को पूरा करने में पूरी तरह सफल नहीं हो पाया है। उन्होंने वर्तमान कानून की खामियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि आज की व्यवस्था ऐसी है जिसमें यदि कोई व्यक्ति अकेले चोरी करता है तो उसे सजा मिलती है, लेकिन यदि पूरा समूह मिलकर घर लूट ले तो उस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के राज्यसभा के सात सांसदों के मामले में दलबदल के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होना इस कानून की कमजोरियों को दर्शाता है। शांता कुमार ने शनिवार को एक बयान में देश की राजनीति के गिरते स्तर पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पहले राजनीति सेवा, ईमानदारी और राष्ट्रहित के लिए की जाती थी, लेकिन आज यह केवल सत्ता और कुर्सी तक सीमित होकर रह गई है।

उन्होंने कहा कि गुलाम भारत के समय राजनीति पूरी तरह देश के लिए समर्पित थी। भगत सिंह जैसे हजारों देशभक्तों ने मातृभूमि की सेवा के लिए हंसते-हंसते अपने प्राण न्यौछावर कर दिए, लेकिन आजाद भारत में राजनीति का केंद्र बिंदु राष्ट्रहित की बजाय व्यक्तिगत और राजनीतिक स्वार्थ बन गया है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से आग्रह किया कि दलबदल कानून पर पुनर्विचार किया जाए और ऐसे प्रावधान लाए जाएं जो सामूहिक दलबदल को भी स्पष्ट रूप से दंडनीय बनाएं।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार संगठन बढ़ाओ- लोकतंत्र बचाओ अभियान के तहत जिला कांग्रेस कमेटी की जिला स्तरीय बैठक

चमकता राजस्थान

जालौर /ब्यूरो चीफ /कयूम खान। जिला प्रभारी सुमन यादव के मुख्य आतिथ्य, सह प्रभारी दिलीप चौधरी के विशिष्ट आतिथ्य एवम जिलाध्यक्ष रमिला मेघवाल की अध्यक्षता में राजीव गांधी भवन जालोर में आयोजित हुई।

सर्वप्रथम राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस के अवसर पर पंचायतीराज के जनक पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू जी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम को विधिवत प्रारंभ किया गया।

बेठक को सम्बोधित करते हुए संगठन जिला प्रभारी सुमन यादव ने कहा कि पीसीसी द्वारा चलाये जा रहे सं×गठन बढ़ाओ लोकतंत्र बचाओ अभियान के तहत 01 अप्रेल से 30 अप्रेल तक जालोर जिले के समस्त बूथ स्तर तक संगठन में नियुक्ति की जायेगी जिले के समस्त ब्लॉक एवम मंडल स्तर तक संगठनात्मक मजबूती प्रदान की जायेगी। उन्होंने कहा कि संगठन में मेहनत करने वाले कार्यकर्ता प्राथमिकता दी जायेगी।पद लेक र बैठे निष्क्रिय पदाधिकारियो की पार्टी को आवशयकता नहीं है मेहनत करने वाले पार्टी के सिपाहियों को आगे लाया जायेगा। हम सभी कांग्रेसजन को भाजपा की नाकामियों को आमजन से सामने उजागर करना चाहिए।राजस्थान की भाजपा सरकार जानबूझकर नगर निकाय एवम पंचायतीराज चुनाव को टालने का प्रयास कर रही हैं क्योंकि उनको मालुम हैं कि आज की परिस्थितियों में वह चुनाव नही जीत सकते है।

बेठक को सम्बोधित करते हुए सह प्रभारी दिलीप चौधरी ने कहा कि जो कार्यकर्ता पार्टी के लिये काम करेगा वही आगे बढ़ेगा। जिले में ब्लॉक, मंडल एवम बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक मजबूत किया जायेगा जिसके तहत पार्टी के प्रति निष्ठा लग्न एवम मेहनत करने वाले कार्यकर्ता को वरीयता

दी जायेगी।उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास नहीं रखती है वह लोकतांत्रिक व्यवस्था को खत्म करना चाहती हैं।हम लोकतंत्र को बचाने हेतु भाजपा की सच्चाई आमजन तक उजागर करनी चाहिए।

बेठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष रमिला मेघवाल ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा प्रदेश में पंचायती राज एवं नगर निकायों के चुनाव टालकर लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक परम्पराओं पर कुठाराघात किया जा रहा है। भाजपा के इस लोकतंत्र विरोधी रवैये जिसके तहत भाजपा की सरकार द्वारा पंचायती राज एवं नगर निकाय संस्थाओं में दमनकारी नीति अपनाते हुये प्रशासक नियुक्त किये गये हैं, के विरोध में तथा आम जनता को अवगत कराने हेतु राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा संगठन बढ़ाओ-लोकतंत्र बचाओ अभियान दिनांक 01 अप्रेल, 2026 से प्रारम्भ किया गया है। अभियान के तहत जालोर जिले के समस्त वार्ड, ग्राम पंचायत, ब्लॉक तथा जिला कांग्रेस कमेटियों की बैठक आयोजित कर जन-जागरण अभियान कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

बेठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री पुखराज पाराशर ने कहा कि राजस्थान की भाजपा सरकार नगर निकाय एवम पंचायतीराज चुनाव को समय पर नही करवाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ खिलवाड़ कर रही हैं।प्रदेश की भाजपा सरकार पूर्ववर्ती गहलोत सरकार द्वारा किये गए ऐतिहासिक जनहितकारी कार्यो को जानबूझकर रोक रही हैं। राजनेतिक द्वेषतापूर्ण जिले में भी कांग्रेस सरकार द्वारा करवाए गए ऐतिहासिक कार्यों को रोका जा रहा हमे भाजपा की कथनी और करनी को आमजन तक उजागर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम विपक्ष है हमे जिले के जनहित के मुद्दो को लेकर सरकार को जगाने का कार्य करना चाहिए।उन्होंने कहा कि भाजपा महिला आरक्षण को लेकर आमजन के बीच गलत प्रचार प्रसार कर रही है हम सब की नैतिक जिम्मेदारी बनती हैं कि हम भाजपा द्वारा फैलाये जा रही गलत जानकारी से जनता को अवगत करवाए।

बेठक के पश्चात पीसीसी के निर्देशानुसार महिला आरक्षण पर भाजपा द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम के खिलाफ दोपहर 1.30 बजे राजीव गांधी भवन जालोर में जिला प्रभारी सुमन यादव ने एक प्रेस वार्ता को सम्बोधित किया।जिससे जनता को सच्चाई बताई और भाजपा के राजनीतिक षड्यंत्र को उजागर किया गया।कांग्रेस पार्टी सदैव महिला आरक्षण के पक्ष में रही है, और 2023 में सर्वसम्मति से पारित हुए विधेयक के तहत तुरंत महिलाओं को उनका हक एवं आरक्षण देने की मांग करती है, जबकि भाजपा इसे परिसीमन और जनगणना की शर्तों में उलझाकर टाल रही है।

बेठक को वरिष्ठ कांग्रेसी सवाराम पटेल,प्रदेश महासचिव लाल सिंह धानपुर,पूर्व प्रधान डॉ शमशेर अली,महिला जिलाध्यक्ष संतोष कँवर, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सुष्मिता गर्ग, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष जाकिर खान ने भी सम्बोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन कांग्रेस प्रवक्ता योगेंद्र सिंह कुम्पावत ने किया।

बेठक में सं×गठन महासचिव वीरेन्द्र जोशी,सायला ब्ला- ॅक अध्यक्ष सवाई सिंह चंपावत, जीवाराम चौहान, गजेन्द्र सिंह डोडियाली,जिला उपाध्यक्ष जुल्फिकार अली भुट्टो,एसी जिलाध्यक्ष खसाराम मेघवाल,सेवादल जिलाध्यक्ष भेरूपाल सिंह,नगराध्यक्ष मुमताज अली,ओबीसी जिलाध्यक्ष सी एल गहलोत,रमेश सोलंकी, पीर सिंह मालपुरा, बसंत सुथार,लक्ष्मण सिंह सांखला, गीता श्री मेघवाल, शीला चौधरी, मोती सिंह निम्बलना,केलाश शर्मा, बस्तीमल चौहान, सोनाराम मेघवाल,खीमाराम चौधरी, साकिर खान,मांगीलाल चौधरी, अमीन मोयला, श्रवण ढाका,ईश्वर सिंह बालावत,पारस परिहार, इकबाल खान,नरपत सिंह देवड़ा, दीपाराम मेघवाल,छगनलाल माली,रज्जब मोयला, ओमप्रकाश चौधरी,रज्जब खोखर,आलम खान, फकरुद्दीन मेहर,उम्मेद सिंह चारण,जुबैदा नागोरी,कमल सिंह बालावत सहित तमाम काँग्रेसजन उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

होमगार्ड भर्ती परीक्षा की सुचिता सुनिश्चित करने हेतु एसएसपी ने संभाली कमान, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

चमकता राजस्थान/अब्दुल खालिद/सहारनपुर। उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और नकलविहीन संपन्न कराने के लिए सहारनपुर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। इसी क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनंदन सिंह ने जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों और ट्रेजरी का व्यापक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एसएसपी ने ट्रेजरी में प्रश्नपत्रों की गोपनीयता और सुरक्षा मानकों को परखते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि प्रश्नपत्रों के परिवहन से लेकर वितरण तक की पूरी प्रक्रिया निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत अत्यंत सुरक्षित तरीके से संपन्न होनी चाहिए। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की सक्रियता, अभ्यर्थियों की सघन तलाशी के लिए बनाए गए चेकिंग पॉइंट्स और ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल की मुस्तैदी का सूक्ष्मता से अवलोकन किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि परीक्षा की शुचिता से समझौता करने वाली कि- सी भी अवैध गतिविधि पर तत्काल और कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। सहारनपुर पुलिस द्वारा संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई है, ताकि अभ्यर्थी एक सुरक्षित, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण वातावरण में अपनी परीक्षा दे सकें।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन सख्त, कमिश्नर और डीआईजी ने परीक्षा केंद्रों का लिया जायजा

अब्दुल खालिद/सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में होमगार्ड भर्ती पर- ीक्षा-2025 को पूरी शुचिता और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के लिए शासन-प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में आज, 25 अप्रैल 2026 को सहारनपुर मंडल के आयुक्त डॉ. रूपेश कुमार और पुलिस उप महानिरीक्षक अभिषेक सिंह ने जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने केंद्र व्यवस्थापकों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही या नकल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, कंट्रोल रूम की सक्रियता और अभ्यर्थियों की सघन चेकिंग व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया गया। डीआईजी अभिषेक सिंह ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को निर्देश दिया कि वे संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखें और यातायात व्यवस्था को इस तरह संचालित करें कि अभ्यर्थियों को आवागमन में कोई असुविधा न हो। प्रशासन और पुलिस के इस संयुक्त प्रयास का मुख्य उद्देश्य भर्ती प्रक्रिया को विवादरहित और शांतिपूर्ण ढंग से पूरा करना है, ताकि योग्य अभ्यर्थियों को एक सुरक्षित और निष्पक्ष वातावरण मिल सके।

एसबीआई शाखा बूंदी में रावणा राजपूत समाज ने कराया विरोध दर्ज

- राजपूत सामुदायिक भवन पर ऋण स्वीकृत का विरोध

चमकता राजस्थान/बूँदी। नैनवा रोड मटुंदा तिराय पर स्थित रावणा राजपूत सामुदायिक भवन के विवादित भवन से मामला जुडा है एसबीआई बैंक ने उक्त भवन पर ऋण स्वीकृत करने के लिए समाचार पत्रों में आम सूचना निकाली गई है जिसकी आपत्ति के लिए सात दिवस का समय अवधि दी गई है जिसको लेकर रावणा राजपूत समाज के लोगों के द्वारा एसबीआई ब्रांच बूंदी शाखा कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया गया है और शाखा प्रबंधक को समाज के लेटर पैड में भवन के ऊपर ऋण स्वीकृत नहीं करने की मांग की गई, उक्त भवन राजपूत समाज का सामुदायिक भवन है जिसकी अवैध बिक्री को लेकर रजिस्टार ऑफिस सहित अन्य विभागों में भी शिकायत दी गई है समाज के प्रतिनिधियों ने एसबीआई बैंक के बाहर प्रदर्शन किया है और एसबीआई बैंक प्रबंधक को उक्त भवन पर ऋण स्वीकृत करने पर आपत्ति जताई है लिखित में शिकायत दर्ज करवाने के बावजूद बैंक के द्वारा उक्त भवन पर ऋण स्वीकृत किया जाता है तो बैंक एवं ऋण लेने वाले सनलिप्त लोगों के खिलाफ विधिवत कानूनी कार्यवाही की जाएगी, विरोध प्रदर्शन के दौरान विजय सिंह राजावत भंवर सिंह कानावत जोगेंद्र सिंह दिनेश सिंह सत्यनारायण सिंह नंद सिंह जगदीश सिंह हनुमान सिंह रावणा राजपूत समाज के गण मान्य लोग मौजूद रहे

कोलवा सैंथल बांदीकुई बैजूपाड़ा मानपुर महुवा पुलिस द्वारा अवैध खननकर्ताओं को खनन की खुली छुट

चमकता राजस्थान

अवैध खनन पर पापड़दा पुलिस की प्रहार बजरी से भरें हुए ट्रैक्टर ट्राली कों जप्त कर चालक को किया गिरफ्तार

रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। जिले में कोलवा, सैंथल, बांदीकुई,बैजूपाड़ा, मानपुर, महुवा पुलिस द्वारा अवैध खननकर्ताओं से मिलीभगत कर अवैध खनन कर परिवहन करनें की खुली छूट दें रखीं हैं जिसके चलतें इन थानों इलाकों से अवैध बजरी सहित पत्थरों का खनन कर खननकर्ताओं द्वारा थानों क्षेत्रों के अलग-अलग स्थानों से सैकड़ों की संख्या में रोजाना ट्रैक्टर ट्रालीयों कों भरक- र थानों के आगे से होकर गुजरते हुए जिला मुख्यालय के कलेक्ट्रेट चौराहे सोमनाथ चौराहे गांधी तिराहे सहित पुलिस कंट्रोल रूम के आगे जिला अस्पताल के पिछे से होकर प्रतिदिन गुजरते हुए आमजनता को दिखाईं देते है लेकिन जिम्मेदारों प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं दिखाई देते जबकि अगर अवैध खनन पर लगाम लगानें की जिम्मेदारों की दृढ़ इच्छा हों तों अवैध खनन ही क्या जिलें में एक पत्ता तक इनकी मर्जी बगैर नहीं हिल सकता लेकिन लगाम लगाने में प्रशासनिक अधिकारी इन पर कोई ध्यान नहीं देते क्यों कि फिर अवैध खनन की मोटी कमाई का अंश मिलना बंद हों जाएं।

पापड़दा पुलिस का अवैध खनन पर प्रहार ट्रैक्टर ट्राली जप्त कर चालक को किया गिरफ्तार

दिनांक 24 अप्रैल 2026 को कोलवा थाने के टांटया ठेलावास से बजरी का अवैध खनन कर जिला मुख्यालय के थानों से होकर गुजरते हुए पापड़दा थाना इलाके शयालावास मोड़ पर जा रहीं ट्रैक्टर ट्राली कों पापड़दा पुलिस के ड्यूटी ऑफिसर हैंड कानि० गणपत लाल सहित कानि० मोहर सिंह रोबिन सिंह ने गश्त के दौरान 6 टन अवैध बजरी से भरें हुए बिना नंबरी

ट्रैक्टर ट्राली को जप्त कर चालक लक्ष्मी नारायण पुत्र रामलाल मीणा निवासी टांट्या ठेलावास पुलिस थाना कोलवा दौसा को गिरफ्तार करनें की कार्यवाही की है। ड्यूटी अधिकारी ने बताया कि ट्रैक्टर ट्राली को जप्त कर सुरक्षा के लिए थानें पर खड़ा किया गया है गिरफ्तार आरोपी चालक के विरुद्ध एमएमडीआर एक्ट में प्रकरण संख्या 39/2026 दर्ज किया जाकर आरोपी चालक कों न्यायालय में पेश किया गया जहां पर न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा आरोपी चालक को एक दिन के पीसी रिमांड पर पुनः पुलिस कों सोपा गया है जहां आरोपी से प्रकरण में अनुसंधान कर अग्रिम कार्यवाही जारी है।

डग पुलिस की बड़ी कार्रवाई 12 किलो से अधिक अफीम डोडा चूरा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

चमकता राजस्थान

डग-25 अप्रैल(कुन्दन व्यास) । झालावाड़ जिला पुलिस द्वा- रा अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत डग थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गश्त के दौरान दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 12 किलो 166 ग्राम अफीम का डोडा चूरा और एक मोटरसाइकिल जब्त की है।

- ऐसे पकड़े गए आरोपी

जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार बुड़ानिया ने बताया कि शनिवार को डग पुलिस की टीम

नया बस स्टैंड के सामने डग- भवानीमंडी रोड पर गश्त कर रही थी।इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्धों को रोककर तलाशी ली गई।उनके पास से 12 किलो 166 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा बरामद हुआ।पुलिस ने मौके पर ही दोनों तस्कर कालूसिंह पुत्र दूल्हे सिंह उम्र42 साल निवासी पिपलिया खुर्द जिला झालावाड़ एवं जगदीश कुमार पुत्र बिहारी लाल उम्र67साल निवासी बादीया थाना कोटपाई,जिला श्री मुक्तसर साहिब,पंजाब को गिरफ्तार कर लिया।

यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचन्द मीणा के निर्देशन और पुलिस उप अधीक्षक गंगधार हेमन्त कुमार गौतम के सुपरविजन में थानाधिकारी भंवर सिंह व उनकी टीम द्वारा की गई। आरोपियों के पास से दो मोबाइल भी जब्त किए गए हैं।

- एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज

थाना डग में दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

गौ सम्मान आह्वान अभियान को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित, गौ माता को राष्ट्र धरोहर घोषित करने की मांग

चमकता राजस्थान/राकेश अग्रवाल/सवाई माधोपुर। जिला मुख्यालय स्थित भेरू दरवाजा के पास श्री राधा कृष्णा गोशाला परिसर में गौ सम्मान आ''ान अभियान के तहत एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने गौ माता के संरक्षण, संवर्धन और सम्मान को लेकर कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं। उन्होंने कहा कि गौ माता को ''राष्ट्र माता'', ''राष्ट्र देव'', ''राष्ट्र आस्था'' अथवा ''राष्ट्र धरोहर'' का दर्जा दिया जाए, ताकि उन्हें उचित संरक्षण और सम्मान मिल सके।

वक्ताओं ने मांग की कि गो सेवा हेतु पूरे देश में एक समान केंद्रीय कानून बनाया जाए तथा भारतवर्ष में पूर्ण रूप से गौहत्या पर प्रतिबंध लगाया जाए। साथ ही गो तस्करी पर सख्त रोक लगाने और इसमें संलिप्त लोगों पर कठोर कार्रवाई करने की भी मांग की गई।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर गोशालाओं का निर्माण एवं संचालन सुनिश्चित किया जाए तथा बड़े शहरों में गो अभयारण्य (गो अभयारण्य क्षेत्र) स्थापित किए जाएं, जहां निराश्रित गोवंश को सुरक्षित आश्रय मिल सके। इसके साथ ही गोवंश के लिए विशेष गो चिकित्सालय (पशु अस्पताल) स्थापित करने और उनके उपचार की समुचित व्यवस्था करने पर भी जोर दिया गया।

वक्ताओं ने यह भी मांग रखी कि गोवंश का बीमा किया जाए, जिससे उनके पालन करने वाले पशुपालकों को आर्थिक सुरक्षा मिल सके। गोबर और गोमूत्र आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने, कृषि विश्वविद्यालयों में अनुसंधान केंद्र खोलने तथा प्राकृतिक, गो आधारित खेती को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताई गई।

इसके अलावा सरकारी भवनों, मंदिरों और सार्वजनिक संस्थानों में देसी गौ उत्पादों–दूध, दही, घी आदि के उपयोग को बढ़ावा देने, बड़े शॉपिंग मॉल में गो आधारित उत्पादों के लिए अलग काउंटर स्थापित करने तथा पंचगव्य औषधियों को प्रोत्साहित करने की बात कही गई।

अभियान के तहत गोपालकों और गो आधारित कृषि करने वाले किसानों को विशेष आर्थिक सहायता, गोशालाओं को नियमित अनुदान, चारे की उचित कीमत तय करने और अवैध भंडारण पर रोक लगाने की भी मांग की गई। प्रेस वार्ता में बताया गया कि 27 अप्रैल 2026 को देशभर के गो-प्रेमी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर इन मांगों को प्रमुखता से उठाएंगे।

अभियान से जुड़े लोगों ने बताया कि इस पहल के प्रतीकात्मक प्रधान संरक्षक गौ माता एवं अध्यक्ष नंदी बाबा सहित सभी आराध्य देव माने गए हैं।

रीढ का टीला पर साइट म्यूजियम बनने की अपार संभावनाएं- डॉक्टर विवेक शुक्ला गोविन्द राम हरितवाल

चमकता राजस्थान

के. डी. शर्मा सीकर। खेतड़ी। उपखंड मुख्यालय की त्योंदा ग्राम पंचायत के रीढ़ के टीले में प्राचीन पटन शहर के अवशेष दफन है। इस प्राचीन शहर के दफन अवशेषों का उत्खनन जनवरी 2026 से चल रहा है,गर्मी की भीषण तपन के चलते इस उत्खनन कार्य को फिलहाल के लिए रोक दिया गया है। यह उत्खनन कार्य अगले सत्र में नवंबर माह से पुनः शुरू किए जाने की संभावना है। उत्खनन कार्य स्थगित किए जाने से पूर्व क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार एवं इतिहासकार गोविंद राम हरितवाल से बात करते हुए पुरान्वेषण एवं उत्खनन अधिकारी डॉक्टर विवेक शुक्ला ने बताया कि अब तक किए गए उत्खनन में इस नगर का प्रवेश द्वार उत्तर पश्चिम दिशा में होने के संकेत मिले हैं।डॉ शुक्ला का मानना है कि इस नगर के चारों ओर सुरक्षा की दृष्टि से परकोटा बना हुआ होगा जिसकी पूरी जानकारी उत्खनन कार्य के पूर्ण होने पर ही सामने आ पाएगी। अब तक हुए उत्खनन कार्य से प्राचीन समृद्ध शहर होने के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। मंदिरों के अवशेष इस नगर की धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं को पुष्ट करते हैं। डॉ शुक्ला ने बताया कि जिला कलेक्टर झुन्झनू को इस प्राचीन ऐतिहासिक धरोहर स्थल को संरक्षित करने के लिए अनापत्ति प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन किया जा चुका है।डा. विनीत गोधल इस

पुरास्थल को बहुसांस्कृतिक केन्द्र के रूप में देखने की बात करते हुए अगले उत्खनन सत्र में और नवीन प्रमाण मिलने की संभावना व्यक्त करते हैं। राजस्थान पुरातत्व संग्रहालय विभाग के निदेशक डॉ पंकज धरेन्द्र ने कहा कि शीघ्र ही इस जगह पर साइट म्यूजियम बनाने के लिए एक व्यापक कार्य योजना का प्रारूप तैयार कर राज्य सरकार को भिजवाया जायेगा जिससे क्षेत्र का समन्वित विकास किया जा सके। उत्खनन टीम का हिस्सा रहे डॉक्टर महेश सामोता ने रीढ के टीले के उत्खनन से अब तक मिट्टी की 19 वीं लेयर तक पहुँचे हैं। इतनी गहराई तक मानव बसावट के अवशेष मिलना यह प्रमाणित करता है कि यह स्थल सदियों तक एक जीवंत केंद्र रहा है। खुदाई में मिली प्राचीन दीवार के अवशेष और कुषाण कालीन ईंटें, जिन पर उंगलियों के निशान (finger marks) मौजूद हैं, उस समय की उन्नत निर्माण कला और मानव श्रम के अनूठे प्रमाण हैं।इसके अलावा यहाँ से प्राप्त टेराकोटा के टुकड़े और अन्य पुरावशेष कुषाण और गुप्त काल के सामाजिक-आर्थिक जीवन की पुष्टि करते हैं। यहां से गुर्जर-प्रतिहार काल के मंदिर अवशेष प्राप्त हुए है जिसे बाद मे मुगल आक्रांताओ ने नष्ट कर दिया था। यह संकेत देते हैं कि रिढ का टीला उस समय के व्यापारिक या प्रशासनिक तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। गोविंद राम हरितवाल वरिष्ठ पत्रकार एवं इतिहासकार मुकाम पोस्ट बबाई जिला झुंझुनू राजस्थान मोबाइल नंबर 9413569770

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929